SANSKRIT STUDY MADE EASY SERIES NO. 1

# ॥ संस्कृतबालादर्शः ॥

## (SAMSKRITA BALADARSA)

# INFANT READER

*Published By*

**R. S. VADHYAR & SONS,**

BOOK-SELLERS & PUBLISHERS,

**KALPATHI : : PALGHAT-678 003.**

S. INDIA

**1981**

T38
579

Rs. 2-50

## SANSKRIT STUDY MADE EASY SERIES

**A Reformed Series of Four Illustrated Sanskrit Readers.**

| | | | |
|---|---|---|---|
| Infant Reader | संस्कृत बालादर्शः | 36th Edn. | 2 50 |
| Reader I | संस्कृत प्रथमादर्शः | 21st Edn. | 3 00 |
| Reader II | संस्कृत द्वितीयादर्शः | 12th Edn. | 2 50 |
| Reader III | संस्कृत तृतीयादर्शः | 8th Edn. | 3 00 |

---

**Easy Texts on Sanskrit Grammar संस्कृतव्याकरण ग्रन्थाः**

1. शब्दमञ्जरी-तिङन्त-अव्यय-समासप्रकरण-शब्दार्थकोश सहिता. 16th Edition 4 00
2. धातुरूपमञ्जरी-Deals with 495 most common roots with Sans. & Eng. meanings etc., 8th Edition 5 00
3. संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका—The First Book of its kind containing 47 Lessons dealing on Nouns, Gender, Verbs, Tenses, Parsing, Analysis etc., 2nd Edition 2 50
4. **Exercises in Sanskrit Translation**—With Guide-lines for Translation from Sanskrit to English and Vice-Versa. 5 00

---

**Easy Texts on Sanskrit Poetry लघु काव्य ग्रन्थाः**

श्रीरामोदन्तम्-With Instructive Notes in Sanskrit and English 1 25

श्रीकृष्णविलासकाव्यम्—Canto 2. Do. 0 50

---

Sanskrit Copy Books—संस्कृत प्रतिलेखावलिः

**No. 1 Bold Hand (स्थूललिपिः) No. 2 Medium Hand (मध्यमलिपिः) and No. 3 Small Hand (सूक्ष्मलिपि)**

**Each Re. 1-00**

# ॥ संस्कृतबालादर्शः ॥

## (SAMSKRITA BALADARSA)

# INFANT READER

*By*

**Vidyasagar K. L. V. SASTRI,**
*Mahopadhyaya, Siromani, Sahityanipuna, Vidyalankara etc.,*
*Retired Senior Sanskrit Pandit,*
**The Presidency College, Madras.**

DHARMARAM PONTIFICAL INSTITUTE
LIBRARY
BANGALORE

REVISED THIRTY SIXTH EDITION

ALL RIGHTS RESERVED.

Paper used: Double Crown 11.6 Kg. White Printings.

*Published By*

**R. S. VADHYAR & SONS,**
BOOK-SELLERS & PUBLISHERS,
KALPATHI : : PALGHAT - 678 003.
S. INDIA.

1981

Phone : 607590.
Vedanta Book House
Near UMA Talkies
VI MAIN, CHAMARAJPET
BANGALORE-560 018

D. P. I. LIBRARY
Acc. No 2953
Call No T38/579

2953

FOR NOTES

FOR NOTES

॥ विद्यया विन्दते अमृतम् ॥

# Sanskrit Study Made Easy Series

**A Reformed Series of Four Illustrated Sanskrit Readers**
**With Grammatical & conversational Exercises,**
**Glossary etc.,**
**For a Pleasant & Quick Study of Sanskrit.**

**Most widely used throughout India and Foreign Countries**
**Viz: Ceylon, Siam, Bangkok, Germany, Italy, Australia**
**California, San Francisco etc.**

**AND SELECTED BY THE EMBASSY OF INDIA**
***and The Ministry of Education and Scientific***
***Research of Govt. of India for Presentation to***
***Foreign Students of Sanskrit.***

Printed by J. C. Sachdev
at Navabharat Offset Works
Madras-600 086.

## अनुक्रमणिका—CONTENTS


| | | | | | पृष्ठम् |
|---|---|---|---|---|---|
| भारतदेशीय गीतम् | | | | | ii |
| Do English Translation | | | | | iii |
| A. अक्षरमाला— Alphabet | | | | | १—११ |
| स्वराः अथवा अचः—Vowels | | | | | १ |
| व्यञ्जनैः सह अचां योगे अचां चिह्नानि | | | | | १ |
| व्यञ्जनानि अथवा हलः—Consonants | | | | | २ |
| स्वर व्यञ्जन योगरीतिः | | | | | २ |
| स्वर युक्त व्यञ्जनानि—Consonants witb Vowels | | | | | ३ |
| संयुक्त अक्षराणि | | | | | १० |
| B. Lessons | | | | | १२-९० |
| १. प्रथमः | पाठः | अजः— | गजः | | १२ |
| २. द्वितीयः | पाठः | वृक्षः— | लता | | १४ |
| ३. तृतीयः | पाठः | बालौ— | फले | | १६ |
| ४. चतुर्थः | पाठः | हंसाः— | पद्मानि | | १८ |
| ५- पञ्चमः | पाठः | अश्वः— | रथः | | २० |
| ६. षष्ठः | पाठः | नौका— | शकटम् | | २२ |
| ७. सप्तमः | पाठः | धेनुः— | व्याघ्रः | | २४ |
| ८. अष्टमः | पाठः | शाखा— | पर्णम् | | २६ |
| ९. नवमः | पाठः | माता— | दुहिता | | २८ |
| १०. दशमः | पाठः | काकः— | भेकः | | ३० |
| ११. एकादशः | पाठः | वीणा— | घण्टा | | ३२ |
| १२. द्वादशः | पाठः | पुस्तकम्— | पेटिका | | ३४ |

## संस्कृतबालादर्शे—अनुक्रमणिका


| | | | पृष्ठम् |
|---|---|---|---|
| १३. त्रयोदशः | पाठः | नक्षत्राणि | ३६ |
| १४. चतुर्दशः | पाठः | भ्राता स्वसा च | ३८ |
| १५. पञ्चदशः | पाठः | हस्तौ | ४० |
| १६. षोडशः | पाठः | लेखनम् | ४२ |
| १७. सप्तदशः | पाठः | विद्यालयः | ४४ |
| १८. अष्टादशः | पाठः | क्रीडा | ४६ |
| १९. एकोनविंशः | पाठः | पुष्पगुच्छः | ४८ |
| २०. विंशः | पाठः | वर्षाकालः | ५० |
| २१. एकविंशः | पाठः | द्वौ सखायौ | ५२ |
| २२. द्वाविंशः | पाठः | शुकः | ५५ |
| २३. त्रयोविंशः | पाठः | वृद्धस्य कौशलम् | ५८ |
| २४. चतुर्विंशः | पाठः | विनायकः | ६१ |
| २५. पंचविंशः | पाठः | सुबुद्धिः दुर्बुद्धिश्च | ६४ |
| २६. षड्विंशः | पाठः | चैत्रो मैत्रश्च | ६७ |
| २७. सप्तविंशः | पाठः | कुक्कुटः | ७० |
| २८. अष्टाविंशः | पाठः | मेषपालः | ७३ |
| २९. एकोनत्रिंशः | पाठः | सत्यं जयति नानृतम् | ७६ |
| ३०. त्रिंशः | पाठः | उपदेशमाला—पद्यम् | ८० |

C. Selected **पर्याय** Slokas from **अमरकोश** ९१—९४

Tables to be studied by heart ९५

Model Questions & Translation Exercises ९६

श्रीरामजयम्

—:o:—

॥ विद्यया विन्दते अमृतम् ॥

# ॥ संस्कृतबालादर्शः ॥

## अक्षरमाला—ALPHABET

### स्वराः अथवा अचः—VOWELS

| | | | |
|---|---|---|---|
| अ *a* | आ *ā* | इ *i* | ई *ī* |
| उ *u* | ऊ *ū* | ऋ *ṛ* | ॠ *ṝ* |
| ऌ *ḷ* | — | ए *ē* | ऐ *ai* |
| ओ *ō* | औ *au* | अं *aṃ* | अः *aḥ* |

### ॥ व्यञ्जनैः सह अचां योगे अचां चिह्नानि ॥

| | | |
|---|---|---|
| अ = — ; आ = ा | ऋ = ृ ; ॠ = ॄ | ओ = ो ; औ = ौ |
| इ = ि ; ई = ी | ऌ = ॢ ; | |
| उ = ु ; ऊ = ू | ए = े ; ऐ = ै | अं = ं ; अः = ः |

## व्यञ्जनानि अथवा हलः—CONSONANTS

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| क *ka* | ख *kha* | ग *ga* | घ *gha* | ङ *ha* |
| च *ça* | छ *çha* | ज *ja* | झ *jha* | ञ *ña* |
| ट *ta* | ठ *tha* | ड *da* | ढ *dha* | ण *ña* |
| त *ṭa* | थ *ṭha* | द *ḍa* | ध *ḍha* | न *na* |
| प *pa* | फ *pha* | ब *ba* | भ *bha* | म *ma* |
| य *ya* | र *rā* | ल *la* | व *va* | |
| श *śa* | ष *ṣa* | स *sa* | ह *ha* | |
| ळ *la* | क्ष *ksha* | ज्ञ *j-ṅa* | | |

---

## ॥ स्वर व्यञ्जन योगरीतिः ॥

*क् + अ = क । क् + आ = का । क् + इ = कि ।
क् + ई = की । क् + उ = कु । क् + ऊ = कू ।
क् + ऋ = कृ । क् + ॠ = कॄ । क् + ऌ = कॢ ।
क् + ए = के । क् + ऐ = कै । क् + ओ = को ।
क् + औ = कौ । क् + अं = कं । क् + अः = कः ।

---

*Note that the addition of अ to a Consonant is known by the removal of the stroke under it.

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| क *ka* | ख *kha* | ग *ga* | घ *gha* | ङ *ña* |
| का *kā* | खा | गा | घा | ङा |
| कि *ki* | खि | गि | घि | ङि |
| की *ki* | खी | गी | घी | ङी |
| कु *ku* | खु | गु | घु | ङु |
| कू *kū* | खू | गू | घू | ङू |
| कृ *kṛ* | खृ | गृ | घृ | ङृ |
| कॄ *kṛ* | खॄ | गॄ | घॄ | ङॄ |
| कॢ *kḷ* | खॢ | गॢ | घॢ | ङॢ |
| के *ke* | खे | गे | घे | ङे |
| कै *kai* | खै | गै | घै | ङै |
| को *ko* | खो | गो | घो | ङो |
| कौ *kau* | खौ | गौ | घौ | ङौ |
| कं *kam* | खं | गं | घं | ङं |
| कः *kha* | खः | गः | घः | ङः |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| च *ca* | छ *cha* | ज *ja* | झ *jha* | ञ *ña* |
| चा | छा | जा | झा | ञा |
| चि | छि | जि | झि | ञि |
| ची | छी | जी | झी | ञी |
| चु | छु | जु | झु | ञु |
| चू | छू | जू | झू | ञू |
| चृ | छृ | जृ | झृ | ञृ |
| चॄ | छॄ | जॄ | झॄ | ञॄ |
| चॢ | छॢ | जॢ | झॢ | ञॢ |
| चे | छे | जे | झे | ञे |
| चै | छै | जै | झै | ञै |
| चो | छो | जो | झो | ञो |
| चौ | छौ | जौ | झौ | ञौ |
| चं | छं | जं | झं | ञं |
| चः | छः | जः | झः | ञः |

| ट *ta* | ठ *tha* | ड *da* | ढ *dha* | ण *aṇ* |
|---|---|---|---|---|
| टा | ठा | डा | ढा | णा |
| टि | ठि | डि | ढि | णि |
| टी | ठी | डी | ढी | णी |
| टु | ठु | डु | ढु | णु |
| टू | ठू | डू | ढू | णू |
| टृ | ठृ | डृ | ढृ | णृ |
| टॄ | ठॄ | डॄ | ढॄ | णॄ |
| टॢ | ठॢ | डॢ | ढॢ | णॢ |
| टे | ठे | डे | ढे | णे |
| टै | ठै | डै | ढै | णै |
| टो | ठो | डो | ढो | णो |
| टौ | ठौ | डौ | ढौ | णौ |
| टं | ठं | डं | ढं | णं |
| टः | ठः | डः | ढः | णः |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| त *tha* | थ *ṭha* | द *ḍa* | ध *ḍha* | न *na* |
| ता | था | दा | धा | ना |
| ति | थि | दि | धि | नि |
| ती | थी | दी | धी | नी |
| तु | थु | दु | धु | नु |
| तू | थू | दू | धू | नू |
| तृ | थृ | दृ | धृ | नृ |
| तॄ | थॄ | दॄ | धॄ | नॄ |
| तॢ | थॢ | दॢ | धॢ | नॢ |
| ते | थे | दे | धे | ने |
| तै | थै | दै | धै | नै |
| तो | थो | दो | धो | नो |
| तौ | थौ | दौ | धौ | नौ |
| तं | थं | दं | धं | नं |
| तः | थः | दः | धः | नः |

| प *pa* | फ *pha* | ब *ba* | भ *bha* | म *ma* |
|---|---|---|---|---|
| पा | फा | बा | भा | मा |
| पि | फि | बि | भि | मि |
| पी | फी | बी | भी | मी |
| पु | फु | बु | भु | मु |
| पू | फू | बू | भू | मू |
| पृ | फृ | बृ | भृ | मृ |
| पॄ | फॄ | बॄ | भॄ | मॄ |
| पॢ | फॢ | बॢ | भॢ | मॢ |
| पे | फे | बे | भे | मे |
| पै | फै | बै | भै | मै |
| पो | फो | बो | भो | मो |
| पौ | फौ | बौ | भौ | मौ |
| पं | फं | बं | भं | मं |
| पः | फः | बः | भः | मः |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| य *ya* | र *ra* | ल *la* | व *va* | श *śa* |
| या | रा | ला | वा | शा |
| यि | रि | लि | वि | शि |
| यी | री | ली | वी | शी |
| यु | रु | लु | वु | शु |
| यू | रू | लू | वू | शू |
| यृ | — | — | वृ | शृ *or* शृ |
| यॄ | — | — | वॄ | शॄ *or* शॄ |
| — | — | — | वॢ | शॢ |
| ये | रे | ले | वे | शे |
| यै | रै | लै | वै | शै |
| यो | रो | लो | वो | शो |
| यौ | रौ | लौ | वौ | शौ |
| यं | रं | लं | वं | शं |
| यः | रः | लः | वः | शः |

| ष *ṣa* | स *sa* | ह *ha* | ळ *ḷa* | क्ष *ksha* | ज्ञ *jña* |
|---|---|---|---|---|---|
| षा | सा | हा | ळा | क्षा | ज्ञा |
| षि | सि | हि | ळि | क्षि | ज्ञि |
| षी | सी | ही | ळी | क्षी | ज्ञी |
| षु | सु | हु | ळु | क्षु | ज्ञु |
| षू | सू | हू | ळू | क्षू | ज्ञू |
| षृ | सृ | हृ | — | क्षृ | ज्ञृ |
| षॄ | सॄ | हॄ | — | क्षॄ | ज्ञॄ |
| षॢ | सॢ | हॢ | — | क्षॢ | ज्ञॢ |
| षे | से | हे | ळे | क्षे | ज्ञे |
| षै | सै | है | ळै | क्षै | ज्ञै |
| षो | सो | हो | ळो | क्षो | ज्ञो |
| षौ | सौ | हौ | ळौ | क्षौ | ज्ञौ |
| षं | सं | हं | ळं | क्षं | ज्ञं |
| षः | सः | हः | ळः | क्षः | ज्ञः |

## संयुक्त अक्षराणि = Conjunct consonants of 2 letters.

| | | |
|---|---|---|
| क् + क = क्क *k-ka* | ण् + ण = ण्ण *n-ṅa* | म् + म = म्म *m-ma* |
| क् + त = क्त *k-ṭa* | त् + त = त्त *ṭ-ta* | य् + य = य्य *y-ya* |
| क् + य = क्य *k-ya* | त् + न = त्न *ṭ-na* | र् + क = र्क *r-ka* |
| क् + र = क्र *k-ra* | त् + य = त्य *ṭ-ya* | ˋ + य = र्य *r-ya* |
| क् + व = क्व *k-va* | त् + र = त्र or त्र *ṭ-ra* | ल् + प = ल्प *l-pa* |
| क् + श = क्श *k-sa* | | ल् + य = ल्य *l-ya* |
| क् + ष = क्ष *kṣha* | द् + द = द्द *ḍ-ḍa* | ल् + ल = ल्ल *l-la* |
| क् + स = क्स *k-sa* | द् + ध = द्ध *ḍ-ḍha* | व् + य = व्य *v-ya* |
| ग् + ग = ग्ग *g-ga* | द् + भ = द्भ *ḍ-bha* | श् + य = श्य *ś-ya* |
| ग् + म = ग्म *g-ma* | द् + म = द्म *ḍ-ma* | ष् + ण = ष्ण *ṣ-ṅa* |
| ग् + य = ग्य *g-ya* | द् + य = द्य *ḍ-ya* | ष् + म = ष्म *ṣ-ma* |
| ङ् + त = ङ्त *ṅ-ṭa* | न् + न = न्न *n-na* | स् + क = स्क *s-ka* |
| च् + च = च्च *ch-cha* | प् + त = प्त *p-ṭa* | स् + न = स्न *s-na* |
| ज् + ज = ज्ज *j-ja* | प् + प = प्प *p-pa* | स् + स = स्स *s-sa* |
| ट् + व = ट्व *t-va* | प् + र = प्र *p-ra* | ह् + न = ह्न *h-nā* |
| ड् + ड = ड्ड *d-da* | ब् + ब = ब्भ *b-bha* | ह् + य = ह्य *h-yc* |
| ड् + र = ड्र *d-dra* | भ् + न = भ्न *bh-na* | ञ् + ज = ञ्ज *n-ja* |

## संयुक्त - अक्षराणि=Conjunct Consonants of 3 letters

| | | | |
|---|---|---|---|
| क् + ष् + ण = क्ष्ण | *k-ṣ-na* | द् + भ् + र = द्भ्र | *ḍ-bh-ra* |
| क् + ष् + म = क्ष्म | *k-ṣ-ma* | द् + ऋ + य = द्र्य | *d-ṛ-ya* |
| क् + ष् + व = क्ष्व | *k-ṣ-va* | न् + त् + य = न्त्य | *n-ṭ-ya* |
| ग् + भ् + य = ग्भ्य | *g-bh-ya* | न् + त् + र = न्त्र | *n-ṭ-ra* |
| ङ् + घ् + य = ङ्घ्य | *ṅ-gh-ya* | न् + द् + य = न्द्य | *n-ḍ-ya* |
| च् + छ् + व = च्छ्व | *ç-ch-va* | र् + ग् + य = र्ग्य | *r-g-ya* |
| ण् + ट् + य = ण्ट्य | *ṇ-t-ya* | र् + ध् + व = र्ध्व | *r-dh-va* |
| त् + प् + र = त्प्र | *t-p-ra* | श् + च् + य = श्च्य | *ś-ç-ya* |
| त् + म् + य = त्म्य | *ṭ-m-ya* | ष् + ट् + य = ष्ट्य | *ṣ-t-ya* |
| त् + र् + य = त्र्य | [illegible] | ष् + ट् + व = ष्ट्व | *ṣ-t-va* |
| द् + ध् + व = द्ध्व | *ḍ-dh-va* | ष् + प् + र = ष्प्र | *ṡ-p-ra* |
| द् + ब् + र = द्ब्र | *ḍ-b-ra* | स् + त् + य = स्त्य | *ṣ-t-ya* |
| | | स् + त् + र = स्त्र or स्त्र | *ṣ-ṭ-ra* |
| द् + भ् + य = द्भ्य | *ḍ-bh-ya* | ह् + म् + य = ह्म्य | *h-m-ya* |

The Numerical Figures in Sanskrit with English Figures.

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ | १० |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |

## प्रथमः पाठः ॥ १ ॥

अजः

गजः

अयम् अजः ।

अय गजः ।

बाला

माला

इयं बाला ।

इयं माला ।

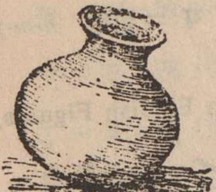

पात्रम्

नेत्रम्

इदं पात्रम् ।

इदं नेत्रम्

क)—प्रश्नाः—१. अयं कः ? २. इयम् का ? ३. इदं किम् ?

ख) 'इदम्' (This) शब्दस्य लिङ्गत्रयेऽपि प्रथमाविभक्ति रूपाणि—

| | एकवचनम् | द्विवचनम् | बहुवचनम् |
|---|---|---|---|
| पुंलिङ्गे– | अयम् | इमौ | इमे |
| स्त्रीलिङ्गे— | इयम् | इमे | इमाः |
| नपुंसकलिङ्गे— | इदम् | इमे | इमानि |

ग) 'इदम्' शब्दस्य रूपैः वाक्यानि पूरयत—

१. — अश्वः । ३. — जिह्वा ५. — मुखम् ।
२. — विश्वम् । ४. — नासा ६. — नरः ।

घ) अक्षरं लिखत — क् + आ = ? त् + आ = ? क् + इम् = ?

## शब्दार्थकोशः—GLOSSARY

अयं *m* इयं *f* इदं *n* this
कः *m* का *f* किं *n* what
अजः *m* goat
गजः *m* elephant
बाला *f* girl
माला *f* garland
पात्रम् *n* pot
नेत्रम् *n* eye
अश्वः *m* horse
नरः *m* man
जिह्वा *f* tongue
नासा *f* nose
विश्वम् *n* universe

### Abbreviations used in Glossary

N. Noun विशेष्यम्
*a* Adjective विशेषणम् (can be used in all the genders)
*m* Masculine पुंलिङ्गम्
*f* Feminine स्त्रीलिङ्गम्
*n* Neuter नपुंसकलिङ्गम्
*P* परस्मैपदी
*A* आत्मनेपदी
*U* उभयपदी
*in* Indeclinable अव्ययम्
Pr P. Present Participle
P. P Past Participle

## द्वितीयः पाठः ॥ २ ॥

वृक्षः

अयं वृक्षः । सः गजः ।

गजः गच्छति । अजः तिष्ठति ।

वृक्षः फलति ।* रामः पठति ॥

---

लता

इयं लता । सा बाला ।

बाला तिष्ठति । माला म्लायति ।

लता पुष्यति । सीता वदति ॥

---

पुष्पम्

इदं पुष्पम् । तत् पात्रम् ।

पात्रं पतति । नेत्रं स्फुरति ।

पुष्पं विकसति । मुखं लसति ॥

---

*There are 2 signs (दण्ड) to denote Full Stop.
(1) 'l' This denotes the end of a Sentence or half Sloka.
(2) 'll' This denotes end of a Para or Full Sloka.

क) प्रश्नाः—१ सः कः ?  ३ सा का ?  ५ तत किम् ?
२ कः गच्छति ? ४ का तिष्ठति ? ६ किं पतति ?

ख) 'तद्' (That) शब्दस्य लिङ्गत्रयेऽपि प्रथमाविभक्तिरूपाणि—

| | | | |
|---|---|---|---|
| पुंलिङ्गे— | सः | तौ | ते |
| स्त्रीलिङ्गे— | सा | ते | ताः |
| नपुंसकलिङ्गे— | तत् | ते | तानि |

ग) 'तत्' शब्दस्य रूपैः वाक्यानि पूरयत—
१ —चूतः । ३ — वटः । ५ — जाती ।
२ —मालती । ४ —कमलम् । ६ — कुसुमम् ।

घ) The Terminations of the Present Tense are :—

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| प्र. | ति तः अन्ति | e. g. | गच्छति | गच्छतः | गच्छन्ति |
| म. | सि थः थ | | गच्छसि | गच्छथः | गच्छथ |
| उ. | मि वः म | | गच्छामि | गच्छावः | गच्छामः |

---

सः *m* सा *f* तत् *n* that
वृक्षः *m* tree
लता *f* creeper
पुष्पम् *n* flower
गच्छति *P*. goes
तिष्ठति *P*. stands
फलति *P*. bears fruits
पठति *P*. reads
म्लायति *P*. fades
पुष्प्यति *P*. puts forth flowers
वदति *P*. speaks
पतति *P*. falls
स्फुरति *P*. throbs
लसति *P*. shines
विकसति *P*. blooms
चूतः *m* mango tree
वटः *m* banyan tree
कमलम् *n* lotus

तृतीयः पाठः ॥ ३ ॥

बालौ

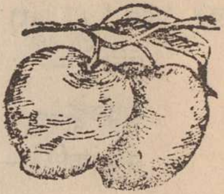

फले

इमौ बालौ । तौ देवौ । इमे फले ।

इमे बाले । ते पात्रे । ते लते ॥

बालौ पठतः । फले पततः । बाले गायतः ।

वृक्षौ फलतः । गजौ गच्छतः । पुष्पे विकसतः ।

नेत्रे स्फुरतः । अजौ तिष्ठतः । माले म्लायतः ।

लते पुष्प्यतः । मुखे लसतः । देवौ वदतः ।

---

क) प्रश्ना :—

| | | |
|---|---|---|
| १ तौ कौ ? | ४ के गायतः ? | ७ के स्फुरतः ? |
| २ ते के ? | ५ कौ फलतः ? | ८ कौ तिष्ठतः ? |
| ३ कौ पठतः ? | ३ कौ गच्छतः ? | ९ के म्लायतः ? |

ख) 'इदम्—तद्' शब्दयोः रूपैः वाक्यानि पूरयत—

| | | |
|---|---|---|
| १ — हस्तौ । | ३ — चरणौ । | ५ — पात्रे । |
| २ — कुसुमे । | ४ — अङ्गुल्यौ । | ६ — कन्ये । |

ग) 'लट्' (Present Tense) रूपैः वाक्यानि पूरयत—

| | |
|---|---|
| १ बालौ — (पठ्) । | ६ छात्रौ — (लिख्) । |
| २ बाले — (गाय्) । | ७ नटौ — (नृत्य्) । |
| ३ घटौ — (पत्) । | ८ नेत्रे — (दृश्य्) । |
| ४ गजौ — (गच्छ्) । | ९ पादौ — (चल्) । |
| ५ पुत्रौ — (नम्) । | १० नेत्रे — स्फुर् ॥ |

---

| | |
|---|---|
| **इमौ** *m* **इमे** *f* **इमे** *n* these two | **घटः** *m* pot |
| **तौ** *m* **ते** *f* **ते** *n* those two | **पुत्रः** *m* son |
| **कौ** *m* **के** *f* **के** *n* what | **छात्रः** *m* student |
| **गायति** *P* sings | **नटः** *m* dancer |
| **फलम्** *n* fruit | **हस्तः** *m* hand |
| **चरणः** *m* leg | **अङ्गुली** *f* finger |
| **कन्या** *f* girl | **कुसुमम्** *n* flower |

---

चतुर्थः पाठः ॥ ४ ॥

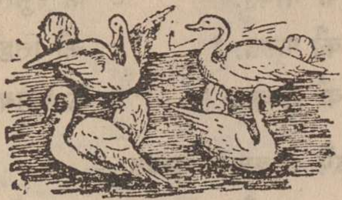

हंसाः

पद्मानि

| | | |
|---|---|---|
| इमे हंसाः । | इमाः लताः । | इमानि पद्मानि । |
| ते गजाः । | ताः मालाः । | तानि फलानि । |

हंसाः कूजन्ति । मालाः म्लायन्ति ।
पद्मानि स्फुटन्ति । बालाः गायन्ति ।
गजाः गच्छन्ति । लताः पुष्पयन्ति ।
अजाः तिष्ठन्ति । पुष्पाणि विकसन्ति ।
फलानि पतन्ति । वृक्षाः फलन्ति ।
मुखानि लसन्ति । बालाः पठन्ति ।

क) प्रश्नाः—

| | | |
|---|---|---|
| १ इमे के ? | ५ कानि स्फुटन्ति ? | ९ काः म्लायन्ति ? |
| २ इमानि कानि ? | ६ के गच्छन्ति ? | १० काः गायन्ति ? |
| ३ इमाः काः ? | ७ के तिष्ठन्ति ? | ११ काः पुष्प्यन्ति ? |
| ४ के कूजन्ति ? | ८ कानि पतन्ति ? | १२ कानि विकसन्ति ? |

१३ कानि लसन्ति ? १४ के पठन्ति ?

ख) Fill up the blanks with the Forms of 'इदम्—तद्' शब्दा's

| | | |
|---|---|---|
| १ — कुसुमानि । | ४ — गृहाणि । | ७ — अचलाः । |
| २ — लताः । | ५ — छात्राः । | ८ — श्लोकाः । |
| ३ — वृक्षाः । | ६ — पर्णानि । | ९ — देवताः । |

ग) Fill up the blanks with the Present tense of the roots within the brackets.

| | |
|---|---|
| १ लताः — (म्लाय्) । | ६ बालाः — (नृत्य्) । |
| २ छात्राः — (पठ्) । | ७ नृपाः — (जय्) । |
| ३ गजौ — (तिष्ठ्) । | ८ मृगाः — (अट्) । |
| ४ कन्या — (गाय्) । | ९ बालाः — (क्रीड्) । |
| ५ फले — (पत्) । | १० वृक्षौ — (फल्) । |

---

| | |
|---|---|
| हंसः *m* swan | कूजन्ति *P.* cackle |
| पद्मं *a* lotus | स्फुटन्ति *P.* bloom |
| इमे *m* इमाः *f* इमानि *n* these | पर्णं *n* leaf |
| ते *m* ताः *f* तानि *n* those | अचलः *m* mountain |
| के *m* काः *f* कानि *n* what | देवता *f* goddess |

---

## पञ्चमः पाठः ॥ ५ ॥

अश्वः

रथः

| | |
|---|---|
| अयम् अश्वः । | अयं रथः । |
| तृणम् । | सारथिः । |
| गृहम् । | नृपतिः । |
| जलम् । | कपिः । |
| अहम् । | त्वम् । |

सारथिः रथं नयति । कपयः फलानि खादन्ति ।
हरिः गृहं गच्छति । अश्वाः तृणं चरन्ति ।
बालौ जलम् आनयतः । नृपतयः अश्वान् आरोहन्ति ।
अहं फलानि खादामि । त्वं वृक्षम् आरोहसि ॥

क) प्रश्नाः—

१ सारथिः किं करोति ?
२ कपयः कानि खादन्ति ?
३ कः गृहं गच्छति ?
४ अहं कम् आरोहामि ?
५ अश्वाः किं चरन्ति ?
६ बालौ किम् आनयतः ?
७ के कान् आरोहन्ति ?
८ त्वं किं खादसि ?

ख) 'लट्' रूपैः वाक्यानि पूरयत—

१ अश्वाः जनान्—(वह्)।
२ नृपतयः प्रजाः—(रक्ष्)
३ वृषभौ तृणं—(चर्)॥
४ त्वं जलम्—(आनय्)
५ अहं पुष्पाणि—(पश्य्)
६ त्वं फलं—(खाद्)।

ग) 'इदम्' शब्दस्य रूपैः वाक्यानि पूरयत—

१ — सारथिः रथं नयति
२ —कपयः फलानि खादन्ति।
३ — अश्वौ रथं वहतः।
४—बालिकाः गृहं गच्छन्ति।

घ) 'अस्मद्' शब्दः (I) अहम् आवाम् वयम्—प्रथमा
'युष्मद्' शब्दः (you) त्वम् युवाम् यूयम्—प्रथमा

रथः *m* chariot
तृणं *n* grass
सारथिः *m* charioteer
नृपतिः *m* king
कपिः *m* monkey
अहं (all genders) I
त्वं (all genders) you
नयति *P* leads
आनयतः *P* bring
खादन्ति *P* eat
चरन्ति *P* graze
आरोहन्ति *P* ascend

*Notes*—1. Roots take First Person when 'अस्मद्' शब्द is the subject:—e g अहं पठामि

2. Roots take Second Person when युष्मद्' शब्द is the Subject—e g. त्वं पठसि

3. Roots take Third Person when any शब्द other than अस्मद् & युष्मद् is the subject e.g. सःपठति

## षष्ठः पाठः ॥ ६ ॥

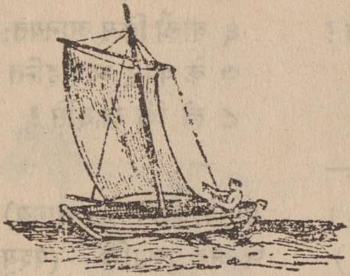

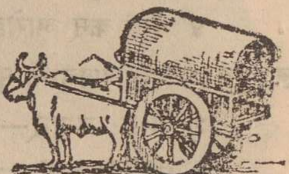

नौका शकटम्

इयं नौका इदं शकटम्

| | | |
|---|---|---|
| नाविकः । | चन्द्रः । | शाकटिकः । |
| क्षेपणी । | पादः । | कशा । |
| नदी । | नारी । | चक्रम् । |

आवाम् । युवाम् ।

आवां शकटेन गृहं गच्छावः । युवां नौकया नदीं तरथः । नाविकः क्षेपण्या नौकां क्षिपति । शाकटिकः कशया वृषभौ ताडयति । शकटं चक्राभ्यां गच्छति । लता पुष्पैः लसति । बालकः हस्तेन चन्द्रम् आह्वयति । जनाः पादाभ्यां गच्छन्ति । नारी पत्या विलसति ॥

१ युवां केन गृहं गच्छथः ? ४ आवां कया नदीं तरावः ?
२ लता कैः लसति ? ५ शकटं काभ्यां गच्छति ?
३ नारी केन विलसति ? ६ जनाः काभ्यां गच्छन्ति ?
७ नाविकः कया नौकां क्षिपति ?
८ शाकटिकः कया वृषभौ ताडयति ?
९ बालकः कथं चन्द्रम् आह्वयति ?

(ख) 'तद्' शब्दस्य रूपैः वाक्यानि पूरयत—

१—नाविकः नौकां क्षिपति । २—लता कुसुमैः विलसति ।

(ग 'लट्' रूपैः वाक्यानि पूरयत—

१ इमे बालाः पादाभ्यां पाठालयम् — (गच्छ्)
२ आवां कर्णाभ्यां शब्दम् — (आकर्ण्) ।
३ नासिकया युवां गन्धम् — (जिघ्र्) ॥
४ बालकाः विद्यया — (लस् ) ॥

---

नौका *f* boat
नाविकः *m* boat-man
क्षेपणी *f* oar
शकटं *n* cart
शाकटिकः *m* cart-man
कशा *f* whip
चक्रं *n* wheel
पाद *m* foot
नारि *f* woman

आवां *m n* we two
युवां *m n* you two
तरथः *P* cross
क्षिपति *P* pushes
वृषभः *m* bull
ताडयति *P* beats
आह्वयति *P* calls
जिघ्र *P* to smell
आकर्ण *P* to hear

सप्तमः पाठः ॥ ७ ॥

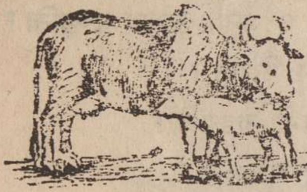

धेनुः

व्याघ्रः

| | | |
|---|---|---|
| क्षीरम् । | ज्ञानम् । | आहारः । |
| वत्सः । | धनम् । | उद्यानम् । |
| अध्ययनम् । | विद्या । | पाठालयः । |
| वयम् । | यूयम् । | |

धेनवः वत्सेभ्यः क्षीरं वितरन्ति । व्याघ्रः आहाराय भ्राम्यति । बालिकाः अध्ययनाय पाठालयं गच्छन्ति । बालिकाः पुष्पाय उद्यानं व्रजन्ति । वयं जलाय नदीं गच्छामः । यूयम् अश्वेभ्यः तृणं यच्छथ । वयं ज्ञानाय पठामः । जनाः धनाय देशान्तरं गच्छन्ति । बालाः विद्यायै धनं यच्छन्ति ॥

१. धेनवः केभ्यः क्षीरं वितरन्ति ? २. व्याघ्रः किमर्थं परिभ्रमति ? ३. बालकाः किमर्थं पाठालयं गच्छन्ति ? ४. बालिकाः किमर्थम् उद्यानं व्रजन्ति ? ५. यूयं किमर्थं नदीं गच्छथ ? ६. वयं केभ्यः तृणं यच्छामः ? ७. यूयं किमर्थं पठथ ? ८. जनाः किमर्थं कुत्र गच्छन्ति ? ९. विद्यायै के किं यच्छन्ति ?

ख) चतुर्थ्यन्तैः पदैः वाक्यानि पूरयत—

१ अहं —(धेनु) तृणं यच्छामि ।

२ नृपाः — (कवि) धनं यच्छन्ति ।

३ यूयं — (ज्ञान) ग्रन्थान् पठथ ॥

ग) 'लट्' रूपैः वाक्यानि पूरयत—

१ छात्राः सायम् आरोग्याय—क्रीड् ।

२ बालौ हस्ताभ्यां पुस्तकानि—आनय् ।

३ वयं नेत्राभ्यां वस्तूनि—पश्य् ॥

---

धेनुः *f* cow
वत्सः *m* calf
क्षीरं *n* milk
व्याघ्रः *m* tiger
आहारः *m* food
ज्ञानं *n* knowledge
उद्यानं *n* garden
अध्ययनं *n* study
पाठालयः *m* school

वयं *m f n* we
यूयं *m f n* you
वितरन्ति *P* give
भ्राम्यति *P* wanders
व्रजन्ति *P* go
यच्छथ *P* give
देशान्तरं *n* another country
नृपः *m* king
कविः *m* poet.

## अष्टमः पाठः ॥ ८ ॥

शाखा

पर्णम्

| | | |
|---|---|---|
| तरुः । | पर्वतः । | बीजम् । |
| मधु । | नगरम् । | अङ्कुरः । |
| पीठम् । | समुद्रः । | मक्षिका । |
| रत्नम् । | ग्रामः । | धनिकाः । |

शाखायाः पर्णानि पतन्ति । मक्षिकाः पुष्पेभ्यः मधु पिबन्ति । बीजात् अङ्कुरः प्ररोहति । पात्रात् जलं स्रवति । धेनुः व्याघ्रात् त्रस्यति । अहं पीठात् उत्तिष्ठामि । त्वं तरोः अवरोहसि । पर्वतात् नदी प्रवहति । धनिकाः ग्रामात् नगरं गच्छन्ति । समुद्रात् जनाः रत्नानि आनयन्ति ।

क) प्रश्नाः—

१. कस्याः पर्णानि पतन्ति ? २. मक्षिकाः केभ्यः मधु पिबन्ति ? ३. कस्मात् अङ्कुरः प्ररोहति ? ४. कस्मात् जलं स्रवति ? ५. धेनुः कस्मात् त्रस्यति ? ६. त्वं कस्मात् उत्तिष्ठसि ? ७. अहं कस्मात् अवरोहामि ? ८. नदी कस्मात् प्रवहति ? ९. धनिकाः कस्मात् कुत्र गच्छन्ति ? १०. जनाः कानि आनयन्ति ?

ख) पञ्चम्यन्तैः पदैः वाक्यानि पूरयत—

१. मक्षिकाः — (कमल) मधु पिबन्ति ।
२. — (तटाक) नार्यः आरोहन्ति ।
३. — (लता) पुष्पाणि पतन्ति ॥

ग) 'लट्' रूपैः वाक्यानि पूरयत—

१. शकटं ग्रामात्—(आगच्छ्) । ३ वयं मक्षिकाभ्यः—(त्रस्) ।
२. अहं दूरात् गजं—(पश्य्) । ४ यूयं वृक्षात्—(अवरोह्) ॥

घ) अर्थभेदं वदत (Give difference in meaning)—

१. तरति, वितरति । २ आरोहति, अवरोहति, प्ररोहति ॥

---

तरुः *m* tree
शाखा *f* branch
मधु *n* honey
पीठं *n* seat
बीजं *n* seed
अङ्कुरः *m* sprout
मक्षिका *f* fly
जनाः *m* people
रत्नानि *n* precious stones
प्ररोहति *P.* grows
पिबन्ति *P.* drink
स्रवति *P.* flows
त्रस्यति *P.* fears
उत्तिष्ठामि *P.* (I) stand up
अवरोहसि *P.* (you) [descend
तटाकं *n* lake

नवमः पाठः ॥ ९ ॥

माता

दुहिता

| | | |
|---|---|---|
| पिता। | भर्ता। | जामाता। |
| पतिः। | पत्नी। | पुत्रः। |
| आज्ञा। | शिशुः। | गानम्। |

दुहिता भर्तुः गृहं गच्छति। माता दुहितुः शिशुं लालयति। शिशवः मातॄणां गानेन तुष्यन्ति। पत्नी पत्युः आज्ञाम् अनुसरति। पुत्रः पितुः आज्ञया जामातुः गृहात् स्वसारम् आनयति। वयं शकटस्य शब्दम् आकर्णयामः। यूयं धेनोः क्षीरं पिबथ॥

क) प्रश्नाः—

१. दुहिता कस्य गृहं गच्छति ? २. माता कस्याः शिशुं लालयति ? ३. शिशवः कासां गानेन तुष्यन्ति ? ४. पत्नी कस्य आज्ञां अनुसरति ? ५. पुत्रः कस्य गृहात् काम् आनयति ? ६. यूयं कस्य शब्दमाकर्णयथ ? ७. वयं कस्याः क्षीरं पिबामः ?

ख) 'इदम्' शब्दस्य रूपैः वाक्यानि पूरयत—

१ — मम माता ३ —– शिशवः पांसुषु क्रीडन्ति ।

२ — कृष्णस्य दुहिता । ४ वयम् — फलानि खादामः ।

ग) उचितान्युत्तराणि वदत---(Give proper answers)

१ त्वं कुत्र गच्छसि ? ६ किं ते नाम ?

२ त्वं कुत्र वससि ? ७ कया त्वं लिखसि ?

३ रामः कुत्र गच्छति ? ८ कदा त्वं पाठं पठसि ?

४ कौ तव पितरौ ? ९ त्वं कस्याज्ञामनुसरसि ?

५ तव भ्राता कः ? १० तव स्वसा कुत्र पठति ?

---

माता *f* mother
दुहिता *f* daughter
पिता *m* father
भर्ता, पतिः *m* husband
पत्नी *f* wife
जामाता *m* son-in-law
स्वसा *f* sister
आज्ञा *f* order

शिशुः *m* child
गानम् *n* song
लालयति *P.* is fondling
तुष्यन्ति *P.* are pleased
अनुसरति *P.* follows
आकर्णयामः *P.* (we) hear
पांसुः *m* dust
भ्राता *m* brother

## दशमः पाठः ॥ १० ॥

काकः

भेकः

| | | |
|---|---|---|
| आकाशम् । | वर्षाः । | वापी । |
| नीडम् । | नरः । | भूमिः । |
| दिवा । | देवः । | नक्तम् । |

काकः शाखायाम् उपविशति । स दिवा आकाशे डयते, नक्तं नीडे वसति । भेकाः वापीषु वसन्ति । ते वर्षासु रटन्ति । अयं भेकः भूमौ प्लवते । लतासु कुसुमानि विकसन्ति । वयं तरुषु फलानि पश्यामः । समुद्रे रत्नानि जायन्ते । नराः भूमौ वसन्ति । देवाः स्वर्गे तिष्ठन्ति ॥

क) प्रश्नाः—

१. काकः कस्यां उपविशति? २. स दिवा कुत्र डयते? ३. स नक्तं कुत्र वसति? ४. मेकाः कुत्र वसन्ति? ५. ते कदा रटन्ति? ६. अयं मेकः कुत्र प्लवते? ७. कासु कुसुमानि विकसन्ति? ८. यूयं केषु फलानि पश्यथ? ९. रत्नानि कुत्र जायन्ते? १०. भूमौ के वसन्ति? ११. देवाः कुत्र तिष्ठन्ति?

ख) 'लभ्' धातोः (to get) आत्मनेपदी 'लट्' रूपाणि—

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प्र.पु. | ते | इते | अन्ते | e. g. | लभते | लभेते | लभन्ते |
| म.पु. | से | इथे | ध्वे | | लभसे | लभेथे | लभध्वे |
| उ.पु. | इ | वहे | महे | | लभे | लभावहे | लभामहे |

ग) 'लट्' रूपैः वाक्यानि पूरयत—१ पुत्राः पितुः धनं—(लभ्)
२. मेकाः भूमौ—(प्लुव्) ३ खगाः आकाशे— (डय्)

घ) Give difference in meaning—

१ तिष्ठति. उत्तिष्ठति। २ सरति, अनुसरति॥

---

मेकः *m* frog
नीडं *n* nest
दिवा *in* during day time
वर्षाः (Always Plural) rainy season
वापी *f* well
नक्तं *in* by night
उपविशति *P* sits
डयते *A* flies
वसति *P.* dwells
रटन्ति *P.* call out
प्लुवते *A.* jumps up

## एकादशः पाठः ॥ ११ ॥

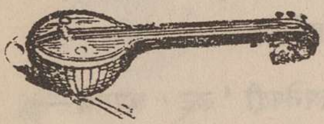

वीणा

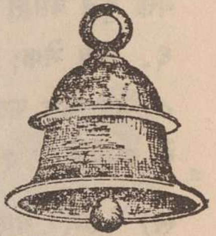

घण्टा

अत्र । तत्र । कुत्र ?

गायकः । परुषः । मधुरः ।

अत्र एका वीणा अस्ति । गायकः वीणां वादयति । घण्टा कुत्र वर्तते ? घण्टा तत्र वर्तते । रामः घण्टां वादयति । घण्टायाः स्वरः परुषः । वीणायाः स्वरः मधुरः ।

मालती सम्यग् वीणां वादयति । मालविका मधुरं गायति । कोकिला वसन्ते मधुरं कूजति । गानेन सर्वे जनाः तुष्यन्ति ।

क) प्रश्नाः—

१. कुत्र एका वीणा अस्ति? २. कः वीणां वादयति? ३. कः घण्टां वादयति? ४. कस्याः स्वरः परुषः? ५. कस्याः स्वरः मधुरः? ६. का सम्यग् वीणां वादयति? ७. का कदा मधुरं कूजति? ८. केन सर्वे जनाः तुष्यन्ति?

ख) 'तद्' शब्दस्य रूपैः वाक्यानि पूरयत—

१ — गायकः — वीणां वादयति।

२ — नर्यौ — भेकान् पश्यतः।

३ — बालाः — फलानि भक्षयन्ति।

ग) 'किं' शब्दस्य प्रथमा विभक्ति रूपाणि—

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| पुंलिङ्गे | (who) | कः | कौ | के |
| स्त्रीलिङ्गे | (who) | का | के | काः |
| नपुंसकलिङ्गे | (what) | किं | के | कानि |

घ) अर्थभेदं वदत—गच्छति, आगच्छति। नयति, आनयति॥

ङ) विपरीत पदम्—(opposite word) परुषः × मधुरः

---

घण्टा *f* bell
अत्र *in* here
तत्र *in* there
कुत्र *in* where?
गानं *n* song
गायकः *m.* songster
परुषः *a. m.* harsh
वादयति *P.* plays on
सम्यग् *in* well
वसन्तः *m.* the spring-season
कोकिला *f* cuckoo
सर्वः *m.* All
मधुरः *a. m.* sweet
अस्ति *P.* there is

द्वादशः पाठः ॥ १२ ॥

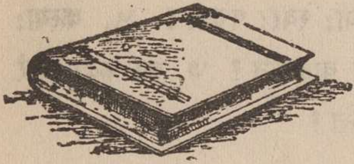

पुस्तकम्

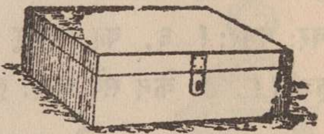

पेटिका

इह । च । वा ।

इह एकं पुस्तकम् एका पेटिका च स्तः। तत् कृष्णस्य ‘शब्दमञ्जरी’ पुस्तकम्। तस्य पुस्तकस्य मूल्यम् त्रयो रूप्यकाः। तस्मिन् पुस्तके द्विशतं पुटानि सन्ति। मम ‘श्रीरामोदन्त’ पुस्तके षष्टि पुटानि सन्ति ॥

अस्यां पेटिकायां कानि वस्तूनि विद्यन्ते? तस्यां पेटिकायां वस्त्राणि भूषणानि धनानि च विद्यन्ते। इयं हरेः पेटिका। स इमां कुञ्चिकया उद्घाटयति। कुञ्चिका हरेः गोपालस्य वा करे वर्तते ॥

क) प्रश्नाः—

१. इह के स्तः? २. इदं कस्य पुस्तकम्? ३. कृष्णस्य पुस्तकस्य किं मूल्यम्? ४. कस्मिन् द्विशतं पुटानि सन्ति? ५. तव पुस्तके कति पुटानि सन्ति? ६. इयं कस्य पेटिका? ७. कस्तां कया उद्घाटयति? ८. कुञ्चिका कस्य करे वर्तते?

ख) 'मम-वयम्' पदाभ्यां यथोचितं वाक्यानि पूरयत—

१ — धनम् आभरणानि च पेटिकायां रक्षामः।
२ मालती — गृहमागत्य वीणां शिक्षयति।
३ — गृहं नद्यास्तीरे वर्तते।
४ — पाठान् यथाकालं पठामः॥

ग) 'अस्' धातोः (to be) 'लट्' रूपाणि —

| | | | |
|---|---|---|---|
| 3rd Person—प्र. पु. | अस्ति | स्तः | सन्ति |
| 2nd person—म. पु. | असि | स्थः | स्थ |
| Ist Person—उ. पु. | अस्मि | स्वः | स्मः |

घ) अस् धातोः 'लट्' रूपैः वाक्यानि पूरयत—

१. इह द्वौ अश्वौ —। २. वयं चत्वारः भ्रातरः —॥

---

पेटिका *f* box
इह *in.* here. च *in* and
वा *in.* or स्तः *P.* are
मूल्यं *n* price
रूप्यकः *m.* a rupee
शतं *n* hundred
धनं *n* wealth
पुटं *n* page
वस्तु *n* a thing
विद्यन्ते *A.* there are
भूषणं *n* ornament
उद्घाटयति *P.* opens
वर्तते *A.* there is
कुञ्चिका *f* key
यथाकालं *in* in time
शिक्षयति *P.* teaches

त्रयोदशः पाठः ॥ १३ ॥

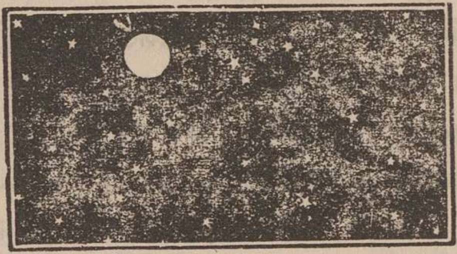

## नक्षत्राणि

यदा । तदा । कदा ?
तु । किन्तु । न । वत् ।

नक्षत्राणि कदा प्रकाशन्ते ? नक्षत्राणि रात्रौ प्रकाशन्ते । तानि दिवा न प्रकाशन्ते । मेघैः आवृते नभसि रात्रौ च न प्रकाशन्ते ॥

यदा सूर्यः अस्तम् अयते तदा ताराणि प्रकाशन्ते । तानि व्योम्नि हीरवत् द्योतन्ते । नक्षत्राणां राजा चन्द्रः । चन्द्रस्य प्रकाशः चन्द्रिका ॥

अहं नक्षत्राणि गणयामि । किन्तु तानि गणयितुं न पारयामि । तानि असङ्ख्यानि वर्तन्ते । तत्र अश्विन्यादीनि सप्तविंशतिः नक्षत्राणि प्रधानानि ॥

क) प्रश्नाः—

१. नक्षत्राणि कुत्र प्रकाशन्ते ? २. तानि कदा न प्रकाशन्ते ? ३. तानि कुत्र हीरवत् द्योतन्ते ? ४. केषां राजा चन्द्रः ? ५. तस्य प्रकाशस्य नाम किम् ? ६. त्वं किं करोषि ? ७. कानि गणयितुं न पारयसि ? ८. कुतः गणयितुं न पारयसि ? ९. प्रधाननक्षत्राणि कानि ? कति ?

ख) 'त्वम्—तव' पदाभ्यां यथायोगं वाक्यानि पूरयत—

१ —नक्षत्राणि गणयसि। १—पितरौ पुत्रीं लालयतः॥

ग) 'लट्' रूपैः वाक्यानि पूरयत—

१. वयं पीठेषु—(उपविश्)। २. अहम् अङ्गुलीः–(गण्)।
३. तृणानि नक्षत्राणि च असङ्ख्यानि—(अस्)

| | |
|---|---|
| नक्षत्रं *n* star | व्योमन् *n* sky |
| यदा *in.* when | हीरवत् *in* like diamond |
| तदा *in.* then | द्योतन्ते *A* shine |
| कदा *in* when ? | चन्द्रिका *f* moon-light |
| तु, किन्तु *in* but | गणयामि *P.* (I) count |
| न *in* not | पारयामि *P.* am able |
| वत् *in* like | असङ्ख्यानि *a. n.* countless |
| प्रकाशन्ते *A* shine | अश्विन्यादीनि *a. n.* begining with अश्विनी* |
| आवृते *a. n.* covered with | सप्तविंशतिः *f* twentyseven |
| नभस् *n* sky | करोषि U (you) do. |
| अस्तम् अयते *A* sets | |
| तारं *n* star | |

* अश्विन्यादि सप्तविंशति नक्षत्राणां नामानि ज्ञातव्यानि

चतुर्दशः पाठः ॥ १४ ॥

## भ्राता स्वसा च

ह्यः । श्वः । परश्वः । अद्य ।
वार्ता । तर्जनी ।

---

अत्र एकः बालकः एका बालिका च तिष्ठतः । तौ पाठालयात् आगच्छताम् । सा बालिका तस्य बालकस्य स्वसा । तौ किं कुरुतः ? तौ सँल्लपतः ॥

स बालकः ह्यः पाठं न अपठत् । उपाध्यायः तम् अताडयत् । तां वार्तां तस्य स्वसा पित्रे अकथयत् । पिता पुत्रं अभर्त्सयत । तेन कुपितः स बालकः स्वसारम् अनिन्दत् । सा भ्रातरं तर्जन्या तर्जयते ॥

राम ! अपि त्वम् अद्य प्रातः स्वसुः गृहम् अगच्छः ? आर्य ! अहं न अगच्छम् । श्वः परश्वो वा गमिष्यामि । ह्यः सायं त्वं किम् अकरोः ? ह्यः सायम् अहं पित्रा सह विपणिम् अगच्छम् ॥

---

क) प्रश्नाः—

१. अत्र कौ तिष्ठतः ? २. तौ कुतः आगच्छताम् ? ३. सा बालिका का ? ४: कः ह्यः पाठं न अपठत् ? ५. कः तम् अताडयत् ? ६. तां वार्तां का पित्रे अकथयत् ? ७. कः पुत्रमभर्त्सयत ? ८. तेन कुपितः स बालकः किम् अकरोत् ? ९. सा भ्रातरं किं करोति ? १०. त्वं कदा स्वसुः गृहं गमिष्यसि ? ११. त्वं कदा विपणिमगच्छः ?

ख) 'एतद्' शब्दस्य लिङ्गत्रयेऽपि प्रथमाविभक्ति रूपाणि—

| | | | |
|---|---|---|---|
| पुंलिङ्गे— | एषः | एतौ | एते |
| स्त्रीलिङ्गे— | एषा | एते | एताः |
| नपुंसकलिङ्गे— | एतत् | एते | एतानि |

ग) 'एतद्' शब्दस्य रूपैः वाक्यानि पूरयत—

| | | |
|---|---|---|
| १—मम भ्राता । | ४—कपी । | ७—धेनवः । |
| २—तव स्वसा । | ५—कशे । | ८—तरवः । |
| ३—पुस्तकम् । | ६—फले । | ९—नीडानि ॥ |

---

ह्यः *in* yesterday
श्वः *in* to-morrow
परश्वः *in* the day-after to-morrow
अद्य *in.* to day
वार्ता *f* news
तर्जनी *f* the fore finger
बालकः *m.* boy
गमिष्यामि *P.* (I) shall go
बालिका *f* girl
सँल्लपतः *P.* converse
अकथयत् *P.* told
अभर्त्सयत *A* threatened
अनिन्दत् *P.* abused
तर्जयते *A.* threatens
विपणिः *f* a market

## पञ्चदशः पाठः ॥ १५ ॥

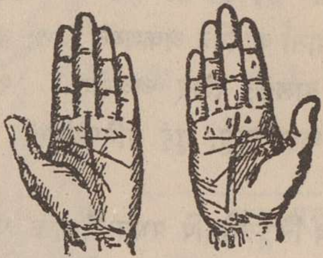

हस्तौ

वामहस्तः । दक्षिणहस्तः । अङ्गुली ।

राम! उत्तिष्ठ। तव हस्तौ दर्शय। त्वं केन हस्तेन लिखसि? आर्य! अहम् अनेन हस्तेन लिखामि। स दक्षिणहस्तः। अन्यः वामहस्तः। एकस्मिन् हस्ते पञ्च अङ्गुल्यः सन्ति। द्वयोः हस्तयोः दश अङ्गुल्यः सन्ति। पाणौ विविधाः रेखाः विद्यन्ते ॥

रामः उपविशतु। कृष्णः उत्तिष्ठतु। कृष्ण! त्वं हस्ताभ्यां नेत्रे स्पृश। वयं नेत्राभ्यां किं कुर्मः? वयं नेत्राभ्यां पश्यामः। हस्ताभ्यां कर्माणि कुर्मः। अन्येषां प्राणिनां द्वे नेत्रे विद्येते; हस्तौ न स्तः ॥

क) प्रश्नाः—

१. एकस्मिन् हस्ते कति अङ्गुल्यः सन्ति? २ द्वयोः हस्तयोः कति अङ्गुल्यः सन्ति? ३. कुत्र विविधा रेखा विद्यन्ते? ४. हस्ताभ्यां किं कुर्मः? ५. द्वे नेत्रे विद्येते, हस्तौ न स्तः, केषाम्?

ख) उचितैः पदैः वाक्यानि पूरयत—

१. ह्यः सायं पुत्रः पित्रा सह विपणिम्—।
२. अहं श्वः प्रभाते स्वसुः गृहं—।
३. येन वयं लिखामः सः—।
४. येन वयं पुस्तकं धरामः सः—।
५. पक्षिणः पक्षाभ्यां नभसि—॥

ग) 'पठ्' धातोः (to study) (परस्मैपदी) 'लङ्' रूपाणि—

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प्र. पु | त् | ताम् | अन् eg. | अपठत् | अपठतां | अपठन् |
| म. पु | स् | तम् | त | अपठः | अपठतं | अपठत |
| उ. पु | अम् | व | म | अपठं | अपठाव | अपठाम |

घ) 'लङ्' (Imperfect Past Tense) रूपैः वाक्यानि पूरयत—

१ अहं ह्यः पाठम्—(पठ्)। ३ गुरुः इमां कथाम्—(कथ्)।
२ मालविका वीणाम्—(वाद्)। ४ जनाः—(आगम्)॥

**वामहस्तः** *m* left hand
**दक्षिणहस्तः** *m* right hand
**अङ्गुली** *f* finger
**दर्शय** *P.* (you) show
**लिखामि** *P.* (I) write
**उत्तिष्ठ** *P.* you stand up
**पाणिः** *m* palm
**विविधाः** *a. f.* various
**रेखाः** *f* lines
**स्पृश** *P.* (you) touch
**प्रभातं** *n* dawn
**धरामः** *P.* (we) hold

षोडशः पाठः ॥ १६ ॥

---

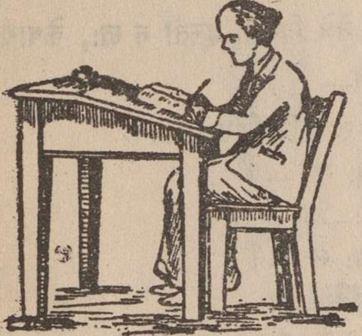

## लेखनम्

तथा । इति । एवम् ।
सह । विना । मा ।

अयं कः ? सः बालकः । अस्य नाम किम् ? तस्य नाम कृष्णः इति । स किं करोति ? स लिखति । स भ्रात्रे पत्रिकां लिखति ॥

त्वं किं लिखसि ? अहं लेखावलिपुस्तके संस्कृत-प्रतिलेखनं लिखामि । प्रतिलेखनेन अक्षराणि सुन्दराणि भवन्ति ॥

तव नाम किम् ? मम नाम राघवः इति । राघव ! त्वं कस्मात् न लिखसि ? आर्य मम लेखनी नास्ति । लेखन्या विना कथं लिखामि ? भद्र ! त्वं प्रतिदिनं लेखन्या पुस्तकेन च विना पाठालयम् आगच्छसि । एवं मा कुरु । आर्य ! अहं कृष्णेन सह गृहं गत्वा लेखनीम् आनयामि । तथा कुरु ॥

क) प्रश्नाः—१. अयं बालकः किं लिखति ? २. केन अक्षराणि सुन्दराणि भवन्ति ? ३. राघवः कुतः न लिखति ? ४ सः प्रतिदिनं पाठालयं कथम् आगच्छति ? ५. त्वं केन सह कुत्र गत्वा लेखनीमानयसि ?

Note the correct writing of the letter म कार—

1. 'म' कार—at the end of a sentence should be written as 'म्' e.g. लेखनम् ।
2. 'म' कार followed by a vowel should be written as 'म्' e.g. कथम् आगच्छति ।
3. 'म' कार followed by a consonant should be written as (अनुस्वार) e.g, त्वं केन सह भाषसे ।

ख) उचितैः पदैः वाक्यानि पूरयत—

१. –विना कथं लिखसि ? ३. उपाध्यायः–सह सँलपति ।
२. –विना कथं पठसि ? ४. त्वं पित्रे—कदा लिखसि ?

ग) 'पठ्' धातोः (परस्मैपदी)' 'लोट्' Imperative Mood (expresses Command, Wish, Blessing etc.)

रूपाणि—

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| प्र. पु. | तु | ताम् | अन्तु e.g. | पठतु पठतात्, | पठतां पठन्तु |
| म. पु. | – | तम् | त | पठ-पठतात्, | पठतं पठत |
| उ. पु. | आनि | आव | आम | पठानि | पठाव पठाम |

---

लेखनं *n* writing
तथा *in* so इति *in* thus
एवं *in* in this manner
सह *in* with
विना *in* without
मा *in* don't
कुरु *P.* you do

नाम *n* name
पत्रिका *f* letter
प्रतिलेखनेन *n* by copy writing
सुन्दरं *a n.* beautiful
लेखनी *f* a pen
भद्र ! Oh boy !

सप्तदशः पाठः ॥ १७ ॥

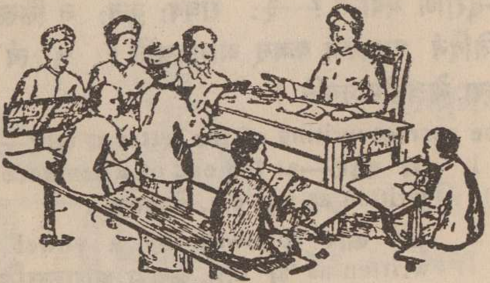

## विद्यालयः

आहत्य । कति । प्रश्नः । कक्ष्या ।

अस्मिन् विद्यालये चतस्रः कक्ष्याः सन्ति । एते सप्त छात्राः चतुर्थकक्ष्यायां पठन्ति । चित्रं पश्य । एको बालकः तिष्ठति । अन्ये उपविष्टाः । तिष्ठन् बालकः उपाध्यायस्य प्रश्नानाम् उत्तराणि कथयति ॥

त्वं कस्यां कक्ष्यायां पठसि ? अहं तृतीयकक्ष्यायां पठामि । कति छात्राः त्वया सह पठन्ति ? मया सह चत्वारो बालकाः तिस्रो बालिकाश्च पठन्ति । आहत्य वयम् अष्टौ सहपाठिनः स्मः । द्वितीयकक्ष्यायां द्वे बालिके त्रयो बालकाश्च पठन्ति । प्रथमकक्ष्यायां पञ्च बालकाः पञ्च बालिकाश्च सन्ति ॥

---

क) प्रश्नाः—१. अस्मिन् विद्यालये कति कक्ष्याः सन्ति ? २. एते सप्त छात्राः कस्यां कक्ष्यायां पठन्ति ? ३. तिष्ठन् बालकः किं करोति ? ४. तृतीयकक्ष्यायां के पठन्ति ? ५. आहत्य यूयं कति सहपाठिनः स्थ ? ६. प्रथमकक्ष्यायां कति बालकाः कति बालिकाश्च सन्ति ?

ख) Note the combination of the words—

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | एकः | + बालकः | = | एको | बालकः |
| 2. | चत्वारः | + बालकाः | = | चत्वारो | बालकाः |
| 3. | तिस्रः | + बालिकाः | = | तिस्रो | बालिकाः |

ग) 'किम्' शब्दस्य रूपैः यथायोगं वाक्यानि पूरयत—

| | |
|---|---|
| १ — एतत् ? | ४ त्वं — श्लोकं पठसि ? |
| २ — अयम् ? | ५ इदं — बालकस्य पुस्तकम् ? |
| ३ — इदम् ? | ६ त्वं — ग्रामे वससि ? |

घ) संख्याशब्दरूपाणि [Numerals]

| | पुंसि | स्त्रियां | नपुंसके |
|---|---|---|---|
| १. | एकः | एका | एकम् |
| २. | द्वौ | द्वे | द्वे |
| ३. | त्रयः | तिस्रः | त्रीणि |
| ४. | चत्वारः | चतस्रः | चत्वारि |

---

विद्यालयः *m* School
आहत्य *in* on the whole
कति (all genders) how-many
कक्ष्याः *f* classes
उपविष्टः *m* sitting
उत्तराणि *n* answers
चित्रं *n* picture
सहपाठिनः *m* class-mates.

## अष्टादशः पाठः ॥ १८ ॥

क्रीडा

इदानीम् । तदानीम् । कन्दुकः । चर्म ।

इदानीं सायाह्नः । पश्य ! अस्मिन् क्रीडाङ्गणे षट् बालकाः कन्दुकेन क्रीडन्ति । कन्दुकः चर्मणा निर्मितः वातेन पूरितश्च । अतः स ताडयमानः उत्पतति ॥

ते बालकाः इतस्ततो धावन्तः हस्तेन पादेन च कन्दुकं ताडयन्ति । एको बालकः भूमौ उपविष्टः । स चिरं क्रीडनेन श्रान्तोऽभवत् । तस्य गात्रं स्विद्यति । स मुहूर्तं विश्रम्य भूयोऽपि* क्रीडिष्यति ॥

यदा सूर्यः अस्तं गमिष्यति तदा प्रकाशः न वर्तिष्यते । तदानीम् एते गृहं व्रजिष्यन्ति ॥

---

* This sign (ऽ) is called अवग्रह. This is used to denote that the beginning of the Vowel अ of the next word has merged.

*e.g.* श्रान्तः + अभवत् = श्रान्तोऽभवत् ।
भूयः + अपि = भूयोऽपि ।

क) प्रश्नाः—१. इदानीं कः समयः ? २. बालकाः कुत्र केन क्रीडन्ति ? ३. कन्दुकः केन निर्मितः केन पूरितश्च ? ४. स ताड्यमानः किं करोति ? ५. ते बालकाः किं कुर्वन्तः कन्दुकं ताडयन्ति? ६. उपविष्टः बालकः कथं श्रान्तः अभवत् ? ७. सः किं करिष्यति ? ८. प्रकाशः कदा न वर्तिष्यते ? ९. तदानीमेते किं करिष्यन्ति ?

ख) 'एक, द्वि' अनयोः रूपैः वाक्यानि पूरयत—

१. अत्र — गजः तिष्ठति । ३. मनुष्याणां — हस्तौ स्तः
२. इह — धेनुः तृणं चरति । ४.—नार्यौ जलाय गच्छतः ॥

ग) 'गम्-गच्छ्' धातोः 'लृट्' (Future Tense) रूपाणि—

| | | | |
|---|---|---|---|
| प्र. पु. | गमिष्यति | गमिष्यतः | गमिष्यन्ति |
| म. पु. | गमिष्यसि | गमिष्यथः | गमिष्यथ |
| उ. पु. | गमिष्यामि | गमिष्यावः | गमिष्यामः |

घ) धावन्, तिष्ठन्; गच्छन्—इमे 'शतृ' प्रत्ययान्ताः (Present Participles)

ङ) क्रीड्, पिब्, वद्—धातूनां 'शतृ' प्रत्ययान्तान् वदत ।

---

क्रीडा sport
इदानीं *in* now
तदानीं *in* then
सायाह्नः *m* evening time
क्रीडाङ्गणं *n*. play ground
कन्दुकः *m* ball
क्रीडन्ति *P*. (they) play
चर्म *n* leather
वातः *m* wind
भूयोऽपि *in* again
ताड्यमानः *pr. p.* being beaten
उत्पतति *P*. goes up
इतस्ततः *in* here & there
श्रान्तः *p p*. tired
गात्रं *n* body
मुहूर्तं *m. n.* a while

एकोनविंशः पाठः ॥ १९ ॥

## पुष्पगुच्छः

भृङ्गः । मकरन्दः । अलम् ।

अत्र एकः पुष्पगुच्छो वर्तते । अयं रमणीयः पुष्पगुच्छः । अयं रूपेण नेत्रं गन्धेन घ्राणं च आनन्दयति । पश्य ! तस्मिन् एको भृङ्गः तिष्ठति । स पुष्पेभ्यः मकरन्दं पिबति । तस्मात् भृङ्गस्य मधुपः इत्यपि नाम ॥

भृङ्गाः मकरन्दं पिबन्तः मधुरं गुञ्जन्ति । ते पुष्पात् पुष्पं चलन्तः विहरन्ति । भृङ्गाणां वर्णः नीलः । तेषां भासुरौ द्वौ पक्षौ विद्येते । तेषां मुखे श्मश्रुणः स्थाने रेफतुल्ये द्वे रोमणी स्तः । अतः ते पश्यतां जनानां विनोदम् आवहन्ति ॥

भृङ्गाणां समीपं मा गच्छ । ते त्वां दशेयुः । अलं तव कुतूहलेन । आगच्छ, गृहं गच्छावः ॥

क) प्रश्नाः—

१. अयं कीदृशः पुष्पगुच्छः ? २. अयं केन किम् आनन्दयति ? ३. भृङ्गः किं करोति ? ४. के किं कुर्वन्तः मधुरं गुञ्जन्ति ? ५. ते कथं विहरन्ति ? ६ भृङ्गाणां वर्णः कीदृशः? ७. तेषां कीदृशौ पक्षौ विद्येते ? ८. तेषां मुखे कस्य स्थाने के स्तः ? ९. के केषां विनोदमावहन्ति ? १०. भृङ्गाणां समीपं गतान् अस्मान् ते किं कुर्युः ?

ख) Fill up the blanks using the forms of 'त्रि' and 'चतुर्' शब्द्s.

१ सत्वं रजः तमः इति — गुणाः सन्ति ।
२ दशरथस्य — भार्याः आसन् ।
३ शिवस्य — नेत्राणि वर्तन्ते ।
४ मृगाणां — चरणाः विद्यन्ते ।

ग) अस्मिन् पाठे 'शतृ' प्रत्ययान्ताः (Present Participles) के ?

घ) पर्यायपदम् :-भृंगः-षट्पदः-मधुकरः-भ्रमरः-द्विरेफः-मधुपः

---

**पुष्पगुच्छः** *m* bunch of flowers
**भृङ्गः** *m* bee
**मकरन्द** *m* honey of flowers
**अलं** *in* enough of
**रमणीयः** *a. m.* beautiful
**रूपं** *n* appearance
**गन्धः** *m* smell
**घ्राणः** *m* nose
**गुञ्जन्ति** *P.* (they) hum
**विहरन्ति** *P.* (they) play
**भास्वरः** *a. m.* shining
**पक्षः** *m* wing
**श्मश्रु** *n* moustaches
**रेफः** *m* the letter 'र'
**विनोदः** *m* pleasure
**आवहन्ति** *P* create, give
**दशेयुः** *P.* may bite
**कुतूहलं** *a* curiosity

विंशः पाठः ॥ २० ॥

## वर्षाकालः

परम् । कथम् । प्रति । आतपः । छत्रम् ।

इदानीं वर्षाकालः । पश्य ! आकाशं मेघैः सञ्छन्नम् । सर्वत्र वृष्टेः धाराः पतन्ति । जनाः स्वीयानि कर्माणि त्यक्त्वा गृहं गताः । पक्षिणः शैत्येन पीडिताः वृक्षाणां शाखासु तिष्ठन्ति । कृषीवलाः परं क्षेत्राणि कर्षन्ति । ते कृष्टेषु क्षेत्रेषु धान्यानि वपन्ति ॥

वर्षाकाले कूपाः सरांसि च जलेन पूर्णानि भवन्ति । नद्योऽपि कूलानि मज्जयन्त्यः प्रवहन्ति । भूमौ सर्वत्र तृणानि उत्पद्यन्ते । वृक्षाः लताश्च पल्लविताः भवन्ति ॥

त्वं कुत्र प्रस्थितः ? अहम् आपणं प्रति प्रस्थितः । वृष्टिः खलु पतति, कथं गमिष्यसि ? मम हस्ते छत्रं वर्तते । छत्रं जनान् आतपात् वृष्टेश्च रक्षति । अतः छत्रस्य 'आतपत्रम्' 'वर्षत्रम्' इति नाम ॥

क) प्रश्ना :—१. जनाः किं कृत्वा कुत्र गताः ? २. पक्षिणः शैत्येन पीडिता कुत्र तिष्ठन्ति ? ३. के क्षेत्राणि कर्षन्ति ? ४ कुत्र धान्यानि वपन्ति ? ५. कस्मिन् काले कानि जलेन पूर्णानि भवन्ति ? ६. नद्यः कथं प्रवहन्ति ? ७. कुत्र तृणान्युत्पद्यन्ते? ८. के पल्लविता भवन्ति ? ९. छत्रं जनान् काभ्यां रक्षति ? १०. छत्रस्य नामान्तरे के ?

ख) 'भू' (भव्) (to be) धातोः विधिलिङ् (Potential Mood)

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प्र. | पु. | ईत् | ईताम् | ईयुः e.g. | भवेत | भवेताम् | भवेयुः |
| म. | पु. | ईः | ईतम् | ईत | भवेः | भवेतम् | भवेत |
| उ. | पु. | ईयम् | ईव | ईम | भवेयम् | भवेव | भवेम |

ग) 'पत्, वप्, वह्'—धातूनां विधिलिङ् रूपाणि वदत ।

---

वर्षाकालः *m* rainy season
एव *in* alone कथं *in*. how
प्रति *in* towards
आतपः *m* heat, sun-shine
छत्रम् *n* umbrella
सञ्छन्नं *a. n.* covered with
धाराः *f* showers
स्वीय *a*. one's own
कृषीवलः *m* farmer
क्षेत्रम् *n* field

कर्षन्ति *P* plough
वपन्ति *P*. sow
कूपः *m* well
सरः *n* a tank
भञ्जयन्त्यः a *f* breaking
प्रवहन्ति *P*. (they) flow
पल्लविताः *a. m* having young sprouts
आपणं *n* a Shop
रक्षति *P*. protects

एकविंशः पाठः ॥ २१ ॥

## द्वौ सखायौ

अतीव । प्रभूतम् । श्रेष्ठी । वित्तम् ।

पूर्वं चोलदेशे द्वौ सखायावास्ताम् । तयोरेको विद्याप्रियः अन्यो धनप्रियः । तयोः पितरौ अतीव दरिद्रौ । अतस्तौ पित्रोराज्ञया विदेशं गतौ ॥

विद्याप्रियस्तत्र विद्यालयं प्रविश्य विद्यामधीतवान् । अन्यः कस्यापि श्रेष्ठिनः आपणे व्यापृतः प्रभूतं वित्तमर्जति स्म ॥

दशभ्यो वर्षेभ्यः परं तौ स्वदेशं प्रति प्रस्थितौ । वनमार्गेण गच्छतोस्तयोः धनप्रियस्य धनभाण्डं चोराः अपाहरन् । तेन स निर्धनो जातः ॥

यदा तौ स्वदेशमागतौ तदा विद्याप्रियं कृतविद्यं वीक्ष्य तद्देशीयो राजा तं मन्त्रिपदे न्ययोजयत्। धनप्रियस्तु जीविकार्थं गत्यन्तरम् अपश्यन् तस्यैव मन्त्रिणः सेवकोऽभवत्। विद्याया माहात्म्यं पश्यत! अत एव 'विद्याधनं सर्वधनात् प्रधानम्' इति लोका आहुः॥

---

क) प्रश्नाः १. कदा कुत्र द्वौ सखायावास्ताम्? २. तौ कीदृशौ?
३. कुतः तौ विदेशं गतौ? ४. विद्याप्रियस्तत्र किं कृतवान्?
५. अन्यः किमकरोत्? ६. कदा तौ स्वदेशं प्रति प्रस्थितौ?
७. तयोः कस्य किं चोराः अपाहरन्? ८. तेन स कीदृशो जातः?
९. कः तं मन्त्रिपदे न्ययोजयत्? १०. धनप्रियः किमकरोत्?
११. कस्मात् त्वं विद्याभ्यासं करोषि?

ख) 'रभ्' धातोः (to begin) (आत्मनेपदी, 'लङ्' रूपाणि—

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| प्र पु. | त | इताम् | अन्त | e.g, | अरभत | अरभेतां | अरभन्त |
| म पु. | थाः | इथाम् | ध्वम् | | अरभथाः | अरभेथाम् | अरभध्वम् |
| उ पु. | इ | वहि | महि | | अरभे | अरभावहि | अरभामहि |

ग) 'प्रविश्य वीक्ष्य' इमे ल्यबन्ते अव्यये॥

घ) अर्जति स्म—अत्र व्याकरणविशेषः कः?

ङ) 'लङ्' रूपैः वाक्यानि पूरयत—

१ अद्य मम स्वसा पतिगृहात्—(आगच्छ्।)

२ अहं श्वः गृहात् पुस्तकम् — (आनय् ।)

३ श्वः सूर्यः न—(प्रकाश्) ४ अस्माकं परीक्षा श्वः—(आरभ् ।)

ख) 'एक, द्वि, त्रि, चतुर्' एतेषां रूपैः वाक्यानि पूरयत—

१ — वने व्याघ्रः प्रतिवसति ।

२ — गुच्छे — पुष्पाणि वर्तन्ते ।

३ — बालकौ पथि — चोरम् अपश्यताम् ।

४ — दशरथस्य — भार्यासु — पुत्राः अजायन्त ।

ग) संख्याशब्दस्य रूपाणि 5 to 19

| | | |
|---|---|---|
| ५ पञ्च । | १० दश । | १५ पञ्चदश । |
| ६ षट् । | ११ एकादश । | १६ षोडश । |
| ७ सप्त । | १२ द्वादश । | १७ सप्तदश । |
| ८ अष्ट-अष्टौ | १३ त्रयोदश । | १८ अष्टादश । |
| ९ नव । | १४ चतुर्दश । | १९ नवदश or एकोनविंशतिः |

सखायौ *m* two friends
अतीव *in* very much
प्रभूतं *in* much
श्रेष्ठी *m* merchant
वित्तम् *n* wealth
विदेशः *m* Foreign land
अर्जितं स्म *P* earned
परं *in* after
अपाहरन् *P.* took away

निर्धन *a m* poor
तद्देशीयः *a. m.* native of the place
न्ययोजयत् *P* appointed
जीविकार्थम् *in* for livelihood
आहुः *P* (they) say
गत्यन्तरं *n* other means
सेवकः *m* servant
अभवत् *P.* (he) became

द्वाविंशः पाठः ॥ २२ ॥

## शुकः

| | |
|---|---|
| किमिति । | प्रायेण । |
| अतीव । | तस्मात् । |

अयं शुकः पञ्जरे बद्धस्तिष्ठति। पञ्जरं लोहस्य शलाकाभिः निर्मितम्। किमिति शुकाः पञ्जरे बध्यन्ते? शुकाः खलु शिक्ष्यमाणाः स्फुटं भाषन्ते। अतः शुकान् गृहीत्वा जनाः पञ्जरे स्थापयन्ति शिक्षयन्ति च ॥

शुकानां रूपमपि रुचिरम्। तेषां पक्षौ हरितौ। चञ्चुश्च लोहिता। केचन शुकाः चित्रवर्णाः सन्ति। तेऽतीव मनोहराः ॥

शुकाः प्रायेण उष्णदेशेषु जायन्ते। वृक्षाणां कोटरेषु पाषाणानां छिद्रेषु वा ते निवसन्ति। पक्वानि फलानि शालिं मरिचं च ते भक्षयन्ति। लवणं शुकानां विषम्। तस्मात् लवणेन मिश्रितं भक्ष्यं मा यच्छ शुकेभ्यः॥

---

क) प्रश्नाः — १. कः कुत्र बद्धः तिष्ठति ? २. पञ्जरं कथं निर्मितम् ? ३. शुकानां रूपं कीदृशम् ? ४. तेषां पक्षौ कीदृशौ ? ५. चञ्चुः कीदृशी ? ६. अतीव मनोहराः शुकाः के ? ७. शुकाः प्रायेण कुत्र जायन्ते ? ८. कुत्र ते निवसन्ति ? ९. किं ते भक्षयन्ति ? १०. किं शुकानां विषम् ?

ख) पञ्चन्, षट्, सप्तन्, अष्टन्, नवन्, दशन्,—एतेषां संख्याशब्दानां रूपैः वाक्यानि पूरयत—

१ इह — बालकाः — बालिकाश्च आगच्छन्ति।

२ — श्लोकानाम् अर्थं वर्णयत।

३ — भृत्याः —दिनैः तत् कर्म कुर्वन्ति।

४ अस्यां वीथ्यां — गृहाणि सन्ति।

५ प्रभुः — भृत्येभ्यः वेतनम् अयच्छत्।

६ पाण्डोः — पुत्राः अजायन्त॥

ग) पठत —

ते + अतीव = तेऽतीव। भूयः + अपि = भूयोऽपि।

नद्यः + अपि = नद्योऽपि। सखायौ + आस्ताम् = सखायावास्ताम्।

---

घ) 'रमणीय' शब्दस्य रूपैः वाक्यानि पूरयत—

१ अयं–अश्वः । ३ एतत्–पुष्पम् । ५ एतानि–फलानि ।

२ एषा–लता । ४ इमे–पात्रे । ६ शुकाः–खगाः ॥

ङ) Note that Adjectives must agree with their Nouns in Gender, number, and case e.g.

पाठालयः निर्मितः ; पाठशाला निर्मिता ; पञ्जरं निर्मितम् ।

च) 'रभ् धातोः (to begin) (आत्मनेपदी) 'लोट्' रूपाणि—

| | | | |
|---|---|---|---|
| प्र. पु. | रभतां | रभेतां | रभन्तां |
| म. पु. | रभस्व | रभेथां | रभध्वं |
| उ. पु. | रभै | रभावहै | रभामहै |

**शुकः** *m* parrot
**किमिति** *in.* why
**प्रायेण** *in.* mostly
**अतीव** *in* very
**तस्मात्** *in* therefore
**पञ्जरं** *n* cage
**लोह** *m.* n. Iron or any metal
**शिक्ष्यमाणाः** *a m.* being taught
**स्फुटं** *in.* distinctly
**भाषन्ते** *A.* speak
**रुचिरं** *a. n.* charming
**हरितः** *a. m.* green

**चञ्चुः** *f* a beak
**लोहिता** *a. f.* red
**मनोहराः** *a m.* lovely
**जायन्ते** *A.* are born
**कोटरं** *n* hollow of a tree
**पाषाणः** *m* stone
**छिद्र** *n* hole
**पक्कः** *a. n.* ripe
**शालिः** *f* paddy
**मरिचं** *n* pepper (here it means chilli)
**मिश्रित** *a* mixed with
**लवणं** *n* salt
**मा** *in.* **यच्छ** *P.* don't give

त्रयोविंशः पाठः ॥ २३ ॥

## वृद्धस्य कौशलम्

कश्चित् । केचित् । कानिचित् । कतिचित् ।

एकदा कश्चित् वृद्धो ग्रामान्तरं गच्छन् पथि श्रान्तः अभवत् । अतः स विश्रमाय पार्श्वस्थितस्य चूततरोः मूलमगच्छत् ॥

तस्मिन् वृक्षे पचेलिमानि फलान्यवर्तन्त । वृद्धस्य तेषु स्पृहा जाता । परं स वृक्षमारुह्य तानि ग्रहीतुं नाशक्नोत् ॥

दिष्ट्या तस्मिंस्तरौ केचित् वानराः फलानि खादन्तः स्थिताः। तानवलोक्य वृद्धः प्रहर्षं गतः। स किमकरोत्? स कतिचित् उपलानादाय वानरान् लक्ष्यीकृत्य प्राक्षिपत्। वानराः कुपिताः कानिचित् फलान्यवचित्य वृद्धं प्रति प्राक्षिपन्। वृद्धः सहर्षं तान्यादाय स्वाभीष्टदेशं गतः॥

अहो! वृद्धस्य कौशलम्॥

---

Describe in your mother-tongue the skill of the old man.

क) प्रश्नाः—१. कः पथि श्रान्तः अभवत्? २. स किमकरोत्? ३. कुत्र कीदृशानि फलान्यवर्तन्त? ४. वृद्धस्य का जाता? ५. स किं कर्तुं नाशक्नोत्? ६. कुत्र के फलानि खादन्तः स्थिताः? ७. कथं वृद्धः प्रहर्षं गतः? ८. स किमकरोत्? ९. वानराः किमकुर्वन्? १० वृद्धः तान्यादाय कुत्र गतः?

ख) 'किञ्चित्' इत्यस्य रूपैः वाक्यानि पूरयत—

१ एकस्मिन् नगरे— वणिक् प्रत्यवसत्।

२ अत्र — बालकाः — बालिकाश्च पठन्ति।

३ इह — कुमार्यः —उद्यानं गच्छन्ति।

४ अहं — सहपाठिना सह तस्य गृहमगच्छम्।

५ अहं — बालकान् — बालिकाश्च विद्यालये अपश्यम्॥

ग) पठत—१ फलानि + अवचित्य = फलान्यवचित्य।

२ तानि + आदाय = तान्यादाय।

घ) अस्मिन् पाठे ल्यबन्तानि अव्ययानि कानि ?

ङ) उचितैः क्रियापदैः वाक्यानि पूरयत—

१ वयं नौकया नदीं —। ४ श्वः अस्माकम् अनध्यायः—।
२ त्वम् असत्यं मा —। ५ सः पेटिकां कुञ्चिकया —।
३ अहं सायं वीणाम् —। ६ श्वः परश्वो वा पिता मद्रपुरात्—

च) 'लोट्' (आज्ञा) रूपैः वाक्यानि पूरयत—

१ वयं श्लोकान् — (पठ्)। ३ युवां पाठालयं—(गम्=गच्छ्)।
२ राम, त्वम्—(उप + विश्) ४ यूयम् असत्यं मा —(वद्)।
५ छात्राः! यूयम्— (उत् + तिष्ठ्)।
६ ते यथाकालं कर्माणि—(कृ = कर्)॥

कौशलं *n* skill
एकदा *in* once
ग्रामान्तरं *n* another village
पथि *m* on the way
पार्श्वस्थितः *a. m* standing by side of
चूततरुः *m* mango tree
पचेलिमं *a. m.* ripe
अवर्तन्त *A* there were
स्पृहा *f* desire
परं *in* but
अशक्नोत् *P.* was able
दिष्ट्या *in* luckily
वानरः *m* monkey
प्रहर्षं गतः *a. m.* became-delighted
उपलः *m* stone
लक्ष्यीकृत्य *in* having aimed at
प्राक्षिपत् *P.* threw
अवचित्य *in* having plucked
सहर्षं *in* delightfully

अहो—*in* how great or wonderful
वृद्धः *m* old man.

## चतुर्विंशः पाठः ॥ २४ ॥

### श्रीविनायकः

प्रतिदिनम् । प्रत्यहम् । अविघ्नम् । निर्विघ्नम् ।

यद्यपि .... तथापि

अयं कः ? अयं श्रीविनायकः । अस्य पिता कः ? अस्य पिता श्रीपरमेश्वरः । अस्य माता का ? अस्य माता श्रीपार्वती । अस्य भ्राता श्रीसुब्रह्मण्यः ॥

पश्य! विनायकस्य शरीरं नरस्येव आननं गजस्यैव च वर्तते। अतोऽयं 'गजाननः' इति नाम भजते। यद्यप्यस्य आननं गजस्येव वर्तते तथाप्यस्य दन्त एक एव। गजस्य तु द्वौ दन्तौ स्तः। गजस्येवास्य मुखे शुण्डा विद्यते॥

विनायको विघ्नानां राजा। अतो विद्यारम्भकाले बालास्तं नमन्ति। तथा नम्यमानः स विघ्नान् अपोहति। गोविन्दः प्रतिदिनं विनायकं पूजयति। तेन स निर्विघ्नं सर्वाणि कार्याणि साधयति। त्वमपि प्रत्यहं विनायकं पूजय। तत्रापि सर्वस्मिन् कर्मण्यविघ्नं भविष्यति। अत एव सर्वेऽपि—

वक्रतुण्ड महाकाय कोटिसूर्यसमप्रभ।
अविघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा॥

—इति प्रार्थयन्ते॥

---

क) प्रश्नाः—

१. विनायकस्य शरीरम् आननं च कथं वर्तते? २. अतोऽयं कीदृशं नाम भजते? ३. कस्य दन्त एक एव, कस्य द्वौ दन्तौ स्तः? ४. कस्येवास्य मुखे शुण्डा वर्तते? ५-अयं केषां राजा? ६. विद्यारम्भकाले बालाः किं कुर्वन्ति? ७. तथा नम्यमानः स किं करोति? १०. विनायकस्य पूजने किं भविष्यति? ११. प्रत्यहं जनाः कथं प्रार्थयन्ते?

ख) उचितैः पदैः वाक्यानि पूरयत—

१ शुकाः पक्वानि फलानि शालिं — च भक्षयन्ति ।

२ गोपालः सहपाठिभिः — उद्यानमगच्छत् ।

३ नरः नारी वा विद्यया — न शोभते ।

४ आतपः कठोरः, चन्द्रिका — शीतला मनोहरा च ।

५ राघवः अतीव बुद्धिमान् बालकः — अलसः ।

ग) एषां पदानाम् एकवचनं वदत ।

केचित् वानराः फलानि खादन्तः स्थिताः ।

घ) संख्याशब्दाः 20 to 30 —

२० विंशतिः । २३ त्रयोविंशतिः । २६ षड्विंशतिः ।

२१ एकविंशतिः । २४ चतुर्विंशतिः । २७ सप्तविंशतिः ।

२२ द्वाविंशतिः । २५ पञ्चविंशतिः । २८ अष्टाविंशतिः ।

२९ नवविंशतिः or एकोनत्रिंशत् । ३० त्रिंशत् ॥

छ) पदच्छेदं कुरुत (split)

१ कर्मण्यविघ्नम् २ अतोऽयम् ३ तान्यादाय ४ सर्वेऽपि

---

प्रतिदिनं-प्रत्यहं *in* daily

अविघ्नं, निर्विघ्नं *in* without obstacle

तथापि *in* still

विघ्नः *m* obstacle

यद्यपि *in* though

परमेश्वरः *m* The Supreme Lord.

शुण्डा *f* the trunk of an elephant

नमन्ति *P.* salute

अपोहति *P.* removes

पूजयति *P.* worships

साधयति *P.* accomplishes

पञ्चविंशः पाठः ॥ २५ ॥

## सुबुद्धिः दुर्बुद्धिश्च

मित्रम् । कतिपयानि । अत्रान्तरे । अनादृत्य ।

आस्तां कस्मिंश्चिदग्रहारे द्वौ सखायौ । तयोरेकः सुबुद्धिः, अन्यो दुर्बुद्धिश्चासीत् । तौ कदाचित् सायं किञ्चिदुद्यानमगच्छताम् । तत्र बालवृक्षेषु रुचिराणि फलान्यासन् । तानि दृष्ट्वा दुर्बुद्धिरवदत्—'मित्र ! कतिपयानि फलानि गृहीत्वा, गृहं नयावः'—इति ॥

तदा सुबुद्धिरकथयत्—'सखे ! मैवं कुरु । उद्यानपालः आवां दण्डयेत्'—इति । तस्य वचनमनादृत्य दुर्बुद्धिः पञ्चषाणि फलान्यवचित्य सुबुद्धेः हस्तेऽर्पितवान् ॥

अत्रान्तरे तस्योद्यानस्य पालकः समेत्य तावभर्त्सयत। भीतो दुर्बुद्धिरवदत्—'आर्य न मया पातितान्येतानि फलानि। किन्तु अनेन मम सख्या पातितानि। नाहमपराधी' इति। तच्छ्रुत्वा उद्यानपालः सुबुद्धिमताडयत्॥ तस्मात्—

'दुर्जनैः सह मैत्री न कर्तव्या'॥

---

क) प्रश्नाः—

What is the Moral of the Lesson?

१. द्वौ सखायौ कुत्र आस्ताम्? २. तौ कीदृशौ? ३. तौ कदाचित् कदा कुत्र अगच्छताम्? ४. कुत्र केषु रुचिराणि फलान्यासन्? ५. तानि दृष्ट्वा दुर्बुद्धिः किमवदत्? ६. तदा सुबुद्धिः किमकथयत्? ७. तस्य वचनमनादृत्य दुर्बुद्धिः किमकरोत्? १०. तच्छ्रुत्वा उद्यानपालः किमकरोत्? ११. कैः सह मैत्री न कर्तव्या? कुतः?

ख) 'आदृत्य, इति, अतीव, एवम्' एतैः यथायोगं वाक्यानि पूरयत—१ अद्य उपाध्यायः नागच्छति—रामः अवदत्।

२ अस्यां शाखायाम्—अष्ट फलानि विद्यन्ते।

३ मम माता—मामकथयत्।

४ इदं कुसुमम्—मनोहरं वर्तते॥

ग) उचितैः क्रियारूपैः वाक्यानि पूरयत—

१ केचित् बालाः ह्यः पाठं न —(पठ्)।

२ अहं श्वः पाठालयं न — (गम्)।

३ सन्तो बालाः यथाकालं स्वीयानि कर्माणि — (कृ)।

४ ह्यः सूर्यः मेघैः आवृतः न — (प्रकाश्)।

घ) 'रभ्, धातोः (आत्मनेपदी) 'विधिलिङ्' रूपाणि—

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| प्र. पु. | ईत | ईयाताम् | ईरन् e.g. | रभेत | रभेयातां | रभेरन् |
| म. पु. | ईथाः | ईयाथाम् | ईध्वम् | रभेथाः | रभेयाथां | रभेध्वम् |
| उ. पु. | ईय | ईवहि | ईमहि | रभेय | रभेवहि | रभेमहि |

ङ) पठत (1) च + आसीत् = चासीत् (2) न + अहम् = नाहम्॥

च) संख्याशब्दाः—

४० चत्वारिंशत् ६० षष्टिः। ८० अशीतिः।

५० पञ्चाशत्। ७० सप्ततिः। ९० नवतिः।

१०० शतम्। १००,००० लक्षम्।

१,००० सहस्रम् १,०००,००० प्रयुतम्।

१०,००० अयुतम्। १०,०००,००० कोटिः।

---

मित्र *n.* a friend
कतिपय *a. n.* a few
अत्रान्तरे *in.* meanwhile
अनादृत्य in. having disregarded
कदाचित् *in.* once
बालवृक्षः *m* young tree
उद्यानपालः gardener
पञ्चषाणि *a. n.* five or six
आर्य ! *m* Sir
मैत्री *f* friendship

षड्विंशः पाठः ॥ २६ ॥

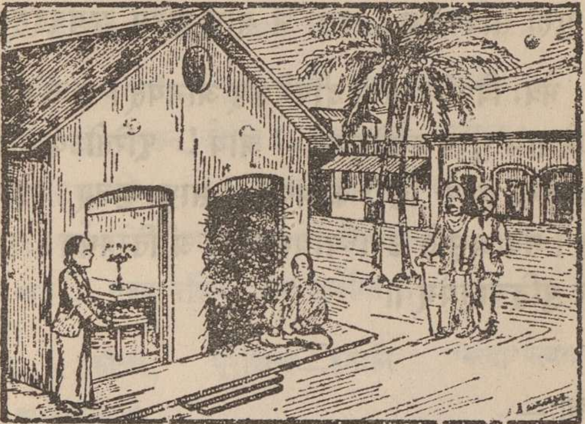

## चैत्रो मैत्रश्च

तथापि। ततः प्रभृति। स्वयमेव। सद्य एव।

आचार्यरामतीर्थस्य चैत्रो मैत्रश्चेति द्वौ शिष्यौ आस्ताम्। तौ गुरोः गृहस्य समीपे द्वयोः कोष्ठयोः न्यवसताम्।

एकदा गुरुः तयोः बुद्धिचातुर्यपरीक्षार्थं ताभ्यामेकैकं रूप्यकं दत्त्वा अकथयत्—'इदमत्यल्पं धनम्। तथापि येन युवयोः कोष्ठौ पूर्येयातां तादृशं किमपि वस्तु क्रीत्वा आनयतम्'—इति॥

चैत्रः सद्य एव कस्यापि कृषीवलस्य गृहं गत्वा तेन धनेन पलालं क्रीतवान्। ततः स स्वयमेव तदानीय तेन

कोष्ठं पूरयित्वा गुरवे न्यवेदयत्— 'आर्य! पूरितोऽयं कोष्ठः'— इति। गुरुः सविषादम्, त्वया न साधु कृतम् इत्यवदत्॥

मैत्रः विपणिं गत्वा दीपमेकम् आनयत्। स तं प्रज्वाल्य कोष्ठे निधाय गुरवे न्यवेदयत्—'आर्य! पूरितोऽयं कोष्ठः'— इति। गुरुः सहर्षं शिरः कम्पयन्, साधु कृतम्, इत्यभ्यनन्दत्। ततः प्रभृति उपाध्यायस्य मैत्रे प्रीतिरवर्धत। पश्यत! मैत्रस्य बुद्धिचातुर्यम्॥

---

क) प्रश्नाः—

१. चैत्रो मैत्रश्च कस्य शिष्यौ? २. तौ कुत्र न्यवसताम्? ३. गुरुः तयोः परीक्षार्थं किमकरोत्? ४ चैत्रः कुत्र गत्वा किं क्रीतवान्? ५. स किं कृत्वा गुरवे किं न्यवेदयत्? ६. चैत्रस्य प्रवृत्तिं दृष्ट्वा गुरोः किम् अभवत्? ७. मैत्रः कुत्र गत्वा दीपमानयत्? ८. स किं कृत्वा गुरवे किं न्यवेदयत्? ९. गुरुः सहर्षं शिरः कम्पयन् किमवदत्? १०. ततः प्रभृति गुरोः कस्मिन् प्रीतिरवर्धत?

ख) Words of similar meanning.

आचार्यः, गुरुः, उपाध्यायः *m* teacher.

समानशब्दाः—कीदृशः, तादृशः, ईदृशः, एतादृशः, मादृशः, त्वादृशः, अस्मादृशः, युष्मादृशः, भवादृशः॥

ग) 'कतिपय' शब्दस्य रूपैः वाक्यानि पूरयत—

Note :—'कतिपय' शब्दस्य, 'सर्व' शब्दवत् रूपाणि ।

१ अस्मिन् उद्याने — वृक्षाः फलैः पूर्णाः शोभन्ते ।

२ अहं गृहं गच्छन् तटाके — मण्डूकान् अपश्यम् ।

३ अस्मिन् वृक्षे — फलानि पक्वानि वर्तते ।

४ — सहपाठिनः अस्मिन् भवने निवसन्ति ।

५ अत्र — तरुषु पक्षिणः वासं कुर्वन्ति ॥

घ) गत्वा, क्रीत्वा, पूरयित्वा—इमानि 'क्त्वा'प्रत्ययान्तानि अव्ययानि ॥

ङ) अस्मिन् पाठे ल्यबन्तानि अव्ययानि वदत ॥

च) Split : 1. कस्यापि 2. पूरितोऽयं 3. हस्तेऽर्पितवान् ।

---

तथापि *in* even then
ततः प्रभृति *in* since then
स्वयमेव *in* oneself
सद्य एव *in* immediately
न्यवसतां *P.* (they two) [dwelt
कोष्ठः *m.* room
पूर्येयातां (they two) will be filled
तादृशं *a. n.* such like
क्रीत्वा *in* having bought

पलाल *m. n.* straw
निवेद्य *in* having [informed
सविषादं *in* sadly
कम्पयन् *a. m.* shaking
अवर्धत *P* increased
अभ्यनन्दत् *P.* praised, [approved
पश्यत *P.* look at

## सप्तविंशः पाठः ॥ २७ ॥

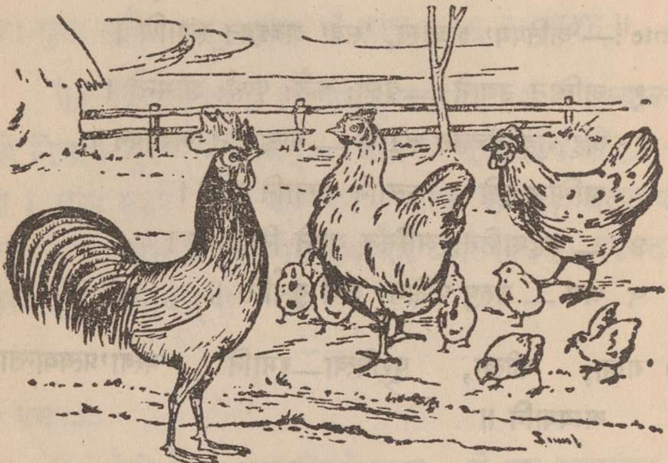

## कुक्कुटः

उच्चैः । तारम् । प्रातस्तराम् । पूर्वम् ।

चित्रेऽस्मिन् एकः कुक्कुटः द्वे कुक्कुट्यौ केचन शावकाश्च सन्ति । कुक्कुटस्य शिरसि ताम्रा चूडा वर्तते । तस्य वर्णश्चित्रो रम्यश्च । कुक्कुट्या वर्णस्तु धूसरः । तस्याः शिरसि ताम्रा चूडा न विद्यते । ते शावकाः सर्वदैव मात्रा सह पर्यटन्ति ॥

कुक्कुटाः प्राधान्येन धान्यकणान् भक्षयन्ति । ते पादाभ्याम् अवकरान् विकिरन्तो भक्ष्यम् अन्विष्यन्ति, चञ्च्वा चोद्धरन्ति ॥

कुक्कुटाः प्रत्यहं प्रातस्तरां प्रबुध्यन्ते। उच्चैः क्रोशन्तः ते प्रत्यूषे सर्वान् प्राणिनः प्रबोधयन्ति। 'उत्तिष्ठत जनाः, अलं निद्रया, प्रभाता रजनिः, चक्षुरुन्मीलयत, कवाटमुद्घाटयत सूर्योदयात् पूर्वं शय्यां त्यजत' इति वदन्त इव तारं रटन्ति॥

कुक्कुटानां शब्दं श्रुत्वा केचिज्जना शयनादुत्थाय स्वीयेषु कर्मसु प्रवर्तन्ते। कुक्कुटाः रात्रौ यामे यामे विरुवन्तो वेलां बोधयन्ति॥

---

क) प्रश्नाः—

१. चित्रेऽस्मिन् के सन्ति? २. कुक्कुटस्य शिरसि किं वर्तते? ३. तस्य वर्णः कीदृशः? ४. कुक्कुट्या वर्णः कीदृशः? ५. तस्याः शिरसि का न विद्यते? ६. ते शावकाः कदा कया सह पर्यटन्ति? ७. कुक्कुटाः प्राधान्येन कान् भक्षयन्ति? ८. ते कथं भक्ष्यमन्विष्यन्ति? कया चोद्धरन्ति? ९. कुक्कुटाः प्रत्यहं कदा प्रबुध्यन्ते? १०. किं कुर्वन्तः कान् प्रबोधयन्ति? ११. किं वदन्त इव तारं रटन्ति? १२. तेषां शब्दं श्रुत्वा के किं कुर्वन्ति? १३. कुक्कुटाः किं कुर्वन्तः वेलां बोधयन्ति?

ख) तथापि, प्रभृति, प्रायेण, अत्रान्तरे, स्वयमेव—एतैः यथायोगं वाक्यानि पूरयत—

१ —सर्वे वृक्षाः वसन्तमासे पुष्प्यन्ति।

२ द्वौ बालौ कलहं कर्तुमारभेताम्,—उपाध्यायः आगच्छत्

३ धेनवः केवलं तृणानि भक्षयन्ति,—मधुरं क्षीरं यच्छन्ति च।
४ बाल्यात् — अहं तव मित्रमस्मि।
५ अजाः — प्रचाराय गच्छन्ति प्रत्यागच्छन्ति च ॥

ग) 'उद्धर्, उन्मील्, उत्तिष्ठ्'—एतेषां लङि रूपाणि वदत ॥

घ) अस्मिन् पाठे शतृप्रत्ययान्तान् वदत।

ङ) संख्येयशब्दाः—(Ordinals) (प्रथमैकवचने रूपाणि)—

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| पुंसि | — प्रथमः | द्वितीयः | तृतीयः | चतुर्थः |
| स्त्रियाम् | — प्रथमा | द्वितीया | तृतीया | चतुर्थी |
| क्लीबे | — प्रथमं | द्वितीयं | तृतीयं | चतुर्थं |

---

कुक्कुटः *m* cock
उच्चैः, तारं *in* loudly
प्रातस्तरां *in* early in the morning
पूर्वं *in* before
कुक्कुटी *f* hen
शावकाः *m* young ones
ताम्रा *a. f.* red
चूडा *f* crest
रम्यः *a. m.* charming
धूसरः *a. m.* grey
पर्यटन्ति *P.* go about
अवकरः *m.* sweeping

अन्विष्यन्ति *P.* search for
उद्धरन्ति *P.* pick up
प्रबुध्यन्ते *a.* get up
प्रभाता *f* became clear
रजनिः *f* night
प्रत्यूष *m. n.* dawn
चक्षुः *n* an eye
उन्मीलयत *P.* (you) open
कवाटः *m* a door
यामः *m* one eighth part of a day
वेला *f* time
बोधयन्ति *P.* inform

---

अष्टाविंशः पाठः ॥ २८ ॥

## मेषपालः

यूथम् । ऊर्णा । प्रातिवेशिकः । कितवः । मृषा ।
सम्प्रति । अन्येद्युः । पूर्वेद्युः । न केवलं — किन्तु ।

इह पश्य ! मेषाणामजानां च यूथं गच्छति । यूथस्य पृष्ठतो गच्छन् पुरुषो मेषपालः । स मेषान् अजांश्च प्रचाराय वनं नयति । ते तत्र स्वेच्छया चरन्तः उदरं पूरयन्ति । न केवलं तृणान्येव किन्तु पर्णान्यपि ते भक्षयन्ति ।

अयं मेषपालोऽजानां क्षीरेण मेषाणामूर्णया च स्वकुटुम्बं भरति । अजानां क्षीरं महदौषधम् । मेषाणामूर्णाभिः शैत्यरक्षणाय कम्बलाः सम्मानार्हाणि रम्याणि वस्त्राणि च क्रियन्ते । अतोऽजाः मेषाश्चात्यन्तमुपयुक्ताः प्राणिनः ॥

मेषपालोऽयं स्वस्य पुत्रं मेषैः सह वनं प्रेषयन्नासीत् । वनं गतः स चपलो बालक एकस्मिन् दिने विनोदाय 'व्याघ्रो-व्याघ्रः' इत्युच्चैराक्रोशत् । तदा प्रातिवेशिका जनाः शस्त्राण्यादाय तस्य समीपमधावन् । तत्र व्याघ्रो नासीत् । तान् समागतान् वीक्ष्य स बालोऽहसत् । 'कितवोऽयं असत्यवादी बालकः' इति वदन्तस्ते रोषेण प्रत्यगच्छन् ॥

अथान्येद्युः सत्यमेव व्याघ्रः समायातः । तं दृष्ट्वा भीतो बालकः 'व्याघ्रो-व्याघ्रः' इत्याक्रोशत् । अयं पूर्वेद्युरिव मृषाऽऽक्रोशतीति मत्वा न कश्चित् तत्र गतः । व्याघ्रो बालकस्य कर्णौ नासिकां च अभक्षयत् । तया वेदनया पीड्यमानः स गृह एवास्ते । तस्मादयं मेषपालः स्वयमेव सम्प्रति तान् वनं नयति ।

नृअतवादिनः सत्यमपि वचनं जना असत्यं मन्यन्ते । तस्मात् विनोदार्थमपि असत्यं न वक्तव्यम् । किन्तु सर्वदा सत्यमेव वक्तव्यम् । तथा च उक्तम्—

'सत्यं वद । धर्मं चर' इति ॥

---

क) प्रश्नाः—

१. इह केषां यूथं गच्छति ? २. कः मेषपालः ? ३. स किं करोति ? ४. ते तत्र किं कुर्वन्ति ? ५. किं ते भक्षयन्ति ?

६. मेषपालः स्वकुटुम्बं कथं भरति ? ७. कस्मात् कारणात् अजाः मेषाश्च अत्यन्तम् उपयुक्ताः प्राणिनः ? ८. मेषपालोऽयं कं कैः सह कुत्र प्रेषयन् आसीत् ? ९. वनं गतः स चपलः किमकरोत् ? १०. कदा के किमादाय तस्य समीपमधावन् ? ११. तत्र समागतान् वीक्ष्य स बालः किमकरोत् ? १२. किं वदन्तस्ते रोषेण प्रत्यगच्छन् ? १३. अन्येद्युः किं समभवत् ? १४. तदा बालकः किमकरोत् ? १५. कुतः स गृह एवास्ते ? १६. कुतः असत्यं कदाऽपि न वक्तव्यम् ? १७. अस्मिन् पाठे उपदेशाः के ?

ख) मृषा, मिथ्या, नक्तं, दिवा—एतान्युपयुज्य वाक्यानि रचयत

ग) संख्येयशब्दाः—पञ्चमः षष्ठः सप्तमः अष्टमः
नवमः दशमः एकादशः द्वादशः

---

मेषपालः *m* shepherd
ऊर्णा *f* wool
यूथम् *n* herd
प्रातिवेशिकः *m* neighbour
कितवः *m* rogue
संप्रति *in* now
अन्येद्युः *in* next day
पूर्वेद्युः *in* previous day
मृषा *in.* falsehood
मेषः *m* sheep
पृष्ठतः *in* behind
प्रचारः *m* pasturing
स्वेच्छा *f* self-will
चपलः *a. m.* fickle
आक्रोशत् *P.* cried out
अधावत् *P.* ran up
अहसत् *P.* laughed
वेदना *f* pain
आस्ते *A.* stays.

न केवलं किन्तु *in* not only but also.

एकोनत्रिंशः पाठः ॥ २९ ॥

## सत्यं जयति नानृतम्

ज्यायसी । कनीयसी । तदीयः । मदीयः । यदि-तर्हि ।

आसीत् पुरा सुवर्णपुरे धनवान् कश्चित् वैश्यः । तस्य द्वे भार्ये आस्ताम् । तयोर्ज्यायसी बन्ध्या । कनीयसी तु पुत्रमेकं प्रासूत । ते द्वे अपि तं बालं स्नेहेनापोषयताम् ॥

अथ कियताऽपि कालेन स वैश्यः कालधर्मं गतः । तस्य सर्वमपि धनं पुत्रिणीं कनीयसीं गच्छति । ज्यायसी तु तन्नासहत । अतः सा व्यचिन्तयत्—'यदि शिशुमिमं मदीयं कथयिष्यामि तर्हि महदिदं भर्तुर्धनं मामेष्यति'— इति । एवं विचिन्त्य सा बालकमादाय प्रतस्थे । कनीयसी तां वारयति स्म ॥

ततः कलहायमाने ते न्यायाधिपमगच्छताम् । उभे अपि तस्याग्रे 'ममायं शिशुः, ममायं शिशुः, इत्यवदताम् । न्यायाधिपो विवादस्य रहस्य ज्ञातुम् इच्छन् स्वभृत्यमकथयत् —' यद्युभयोरयं शिशुस्तर्हि त छित्त्वा समं विभज्य उभाभ्यां यच्छ '— इति ॥

तच्छ्रुत्वा ज्यायसी — 'साधु स्वामिन् साधु ! एवं

क्रियताम्'—इत्युच्चैरवोचत्। कनीयसी तु व्याकुला भूत्वा

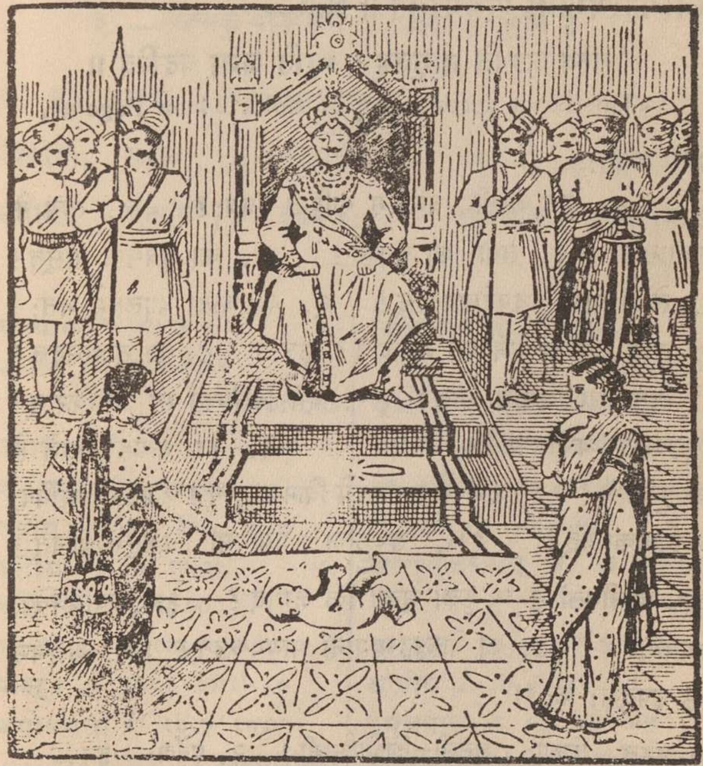

जगाद—'स्वामिन्! तदीय एवायं बालो न मदीयः। तस्मात् सजीवोऽयं तस्यै दीयताम्' इति॥

न्यायाधिरस्तदाकर्ण्य स्मयमानः कनीयसीमेव

शिशोर्जननीं निश्चित्य तस्यै शिशुमदापयत् । ज्यायसी तु जनैरुपहस्यमाना प्रत्यगच्छत् ॥ अतः—

'सत्यं जयति नानृतम्' *इति जना वदन्ति ॥

*This is the second पाद of sloka 24 on Page 88.

---

क) प्रश्नाः—

१. कुत्र आसीद् धनवान् कश्चित् वैश्यः ? २. तस्य के आस्ताम् ? ३. तयोः का वन्ध्या ? ४. का पुत्रमेकं प्रासूत ? ५. ते तं बालं कथमपोषयताम् ? ६. कः कदा कालधर्मं गतः ? ७. तस्य सर्वमपि धनं कां गच्छति ? कुतः ? ८. का तन्नासहत ? ९. अतः सा किमचिन्तयत् ? १०. एवं विचिन्त्य सा किमकरोत् ? ११. तदा कनीयसी किं चकार ? १२. ततः कलहायमाने ते किमकुरुताम् ? १३. उभे अपि न्यायाधिपस्याग्रे किमवदताम् ? १४. न्यायाधिपः कं किमकथयत् ? १५. तच्छ्रुत्वा ज्यायसी किमुच्चैरवोचत् ? १६. कनीयसी तु व्याकुला भूत्वा किं जगाद ? १७. न्यायाधिपः किमकरोत् ? १८. का जनैरुपहस्यमाना प्रत्यगच्छत् ? १९. अस्मिन् पाठे उपदेशः कः ?

ख) पठत—शिशोः + जननी=शिशोर्जननी । २. पूर्वेद्युः + इव = पूर्वेद्युरिव । ३. प्रीतिः + अवर्धत = प्रीतिरवर्धत ।

ग) न केवलं — किन्तु, यदि — तर्हि, यद्यपि — तथापि, एतैः यथायोगं वाक्यानि पूरयत—

१ — स बुद्धिमान् — उद्यमी च ।

२ रामः — बुद्धिमान् — अलसः ।

३ — सम्यक् पठिष्यसि — श्रेयः प्राप्स्यसि ॥

घ) समानशब्दाः—(Similar words)

किमीयः, मदीयः, अस्मदीयः, त्वदीयः युष्मदीयः,
तदीयः, एतदीयः, इदमीयः, अदसीयः, भवदीयः ॥

---

सत्यं *a.* honesty
जयति *P.* becomes victorious
ज्यायसी *f* elder
कनीयसी *f* younger
तदीयः *a. m.* his, hers or its
मदीयः *a. m.* mine
यदि तर्हि *in.* if so
वन्ध्या *f* barren woman
प्रासूत *A* gave birth to
अपोषयतां *P.* they two nourished
कालधर्मः *m.* death
पुत्रिणी *a f.* having a son
असहत *A.* endured
जननी *f* mother
विचिन्त्य *in.* having thought
एष्यति *P.* will come
वारयति स्म *P.* obstructed
न्यायाधिप *m.* Judge
विवादः *m* dispute
ज्ञातुम् इच्छन् *a. m,* desiring to know
व्याकुला *a.f.* perplexed
सजीव *a. m.* alive
स्मयमाना *a. m.* smiling
उपहस्यमाना *a f.* being laughed at
अनृतम् *n.* falsehood
जगाद *P.* said

---

त्रिंशः पाठः ॥ ३० ॥

# उपदेशमाला

(Collection of Instructive Verses)

नभसो भूषणं चन्द्रो
नारीणां भूषणं पतिः
पृथिव्या भूषणं राजा
विद्या सर्वस्य भूषणम् ॥ १

माता शत्रुः पिता वैरी
येन बालो न पाठितः ।
न शोभते सभामध्ये
हंसमध्ये बको यथा ॥ २

---

क) प्रश्नाः—

१. सर्वस्य भूषणम् किम् ? २. कः सभामध्ये न शोभते ?

ख) निर्दिष्टैः पदैः वाक्यानि पूरयत—

१. सुशीला नारी गृहस्य — (भूषण) ।

२. सुपुत्रः कुलस्य — (आभरण) ।

३. सुशिष्यः गुरोः प्रीतेः — (पात्र) ॥

१. नारी *f* a lady
पृथिवी *f* earth
२. पाठितः *a.m.* was taught

सभा *f* assembly
हंसमध्ये *n.* midst of swans
बकः *m.* a crane

2953



पुस्तकस्था च या विद्या
परहस्ते च यद्धनम् ।
कार्यकाले समायाते
न सा विद्या न तद्धनम् ॥ ३

सुखार्थी चेत् त्यजेद्विद्यां
विद्यार्थी चेत् त्यजेत् सुखम् ।
सुखार्थिनः कुतो विद्या
कुतो विद्यार्थिनः सुखम् ॥ ४

---

क) प्रश्नाः—३. का न विद्या? किं न धनम्?
४. विद्यार्थी सुखार्थी च किं किं त्यजेताम्?

ख) प्रयोगः त्रिविधः (Three kinds of Voices)—

| | |
|---|---|
| १ कर्तरिप्रयोगः<br>Active Voice<br>i (सकर्मकः) | नम् + अ + ति = नमति ।<br>Example पुत्रः पितरं नमति ॥ |
| ii (अकर्मकः) | जि (जय्) + अ ति = जयति<br>Example धर्मः जयति ॥ |
| २ कर्मणि प्रयोगः*<br>Passive Voice | नम् + य + ते = नम्यते ॥<br>Example पुत्रेण पिता नम्यते॥ |
| ३ भावे प्रयोगः<br>Impersonal Voice | जि + य + ते = जीवते ।<br>Example धर्मेण जीयते । |

Note: * In कर्मणि प्रयोग the subjeet takes तृतीया and the object takes प्रथमा - Verb must agree to the object in number and person.

D. P. I. LIBRARY
BANGALORE-29.

क्षणशः कणशश्चैव
विद्यामर्थं च साधयेत् ।
क्षणत्यागे कुतो विद्या
कणत्यागे कुतो धनम् ॥ ५

आचार्यात् पादमादत्ते
पादं शिष्यः स्वमेधया ।
पादं सब्रह्मचारिभ्यः
पादं कालक्रमेण च ॥ ६

स्वगृहे पूज्यते मूर्खः स्वग्रामे पूज्यते प्रभुः ।
स्वदेशे पूज्यते राजा विद्वान् सर्वत्र पूज्यते ॥ ७

---

क) प्रश्नाः—

५. विद्यामर्थं च कथं साधयेत्? ६. विद्यां शिष्यः कथमादत्ते?
७. के के कुत्र पूज्यन्ते?

ख) कर्मणि प्रयोगं दर्शयत—

१. नराः देवं पूजयन्ति । २. अहं श्लोकान् पठामि ॥

३. समायातः *m.a.* at hand
४. त्यजेत् shoud give up
क्षणशः *in* moment by moment
कणशः *in* bit by bit
अर्थः *m.* wealth

साधयेत् *P* should acquire
६. पादः *m.* one fourth
आदत्ते *A.* receives
सब्रह्मचरी *m. a.* classmate
मेधा *f* intellect
कालक्रमेण *m. in* course of time

जनिता चोपनेता च यश्च विद्यां प्रयच्छति ।
अन्नदाता भयत्राता पञ्चैते पितरः स्मृताः ॥ ८

गुरुपत्नी राजपत्नी ज्येष्ठपत्नी तथैव च ।
पत्नीमाता स्वमाता च पञ्चैता मातरः स्मृताः ॥ ९

सत्यं माता पिता ज्ञानं धर्मो भ्राता दया सखा ।
शान्तिः पत्नी क्षमा पुत्रः षडेते मम बान्धवाः ॥ १०

---

क) प्रश्नाः—८. पञ्च पितरः के? ९. पञ्च मातरः काः?
१०. षड् बान्धवाः के?

ख) Split the words of the above slokas.

ग) कर्मणि प्रयोगं दर्शयत—

१. गावः क्षीरं यच्छन्ति ।
२. पिता पुत्रं पश्यति ।
३. कुम्भकारः कुम्भान् करोति ।
४. मेषपालः मेषान् नयति ।
५. बालाः वृक्षम् आरोहन्ति ।
६. शिष्याः गुरून् वन्दन्ते ।
७. वयं क्षीरं पिबामः ।
८. त्वं पितरौ नमसि ॥

७. स्वगृहं *n* one's own house
पूज्यते *A.* is worshipped
प्रभुः *m.* rich
८. उपनेता *m* a spiritual [father
स्मृताः *a. m.* are regarded

९. ज्येष्ठपत्नी *f* elder brother's wife
पत्नीमाता *f* wife's mother
१० धर्मः *m.* virtue
शान्तिः *f* peace
क्षमा *f* patience

खलः करोति दुर्वृत्तं नूनं फलति साधुषु ।
दशाननोऽहरत् सीतां बन्धनं तु महोदधेः ॥ ११

सर्पदुर्जनयोर्मध्ये वरं सर्पो न दुर्जनः ।
सर्पो दशति कालेन दुर्जनस्तु पदे पदे ॥ १२

यथा परोपकारेषु नित्यं जागर्ति सज्जनः ।
तथा परापकारेषु नित्यं जागर्ति दुर्जनः ॥ १३

त्यज दुर्जनसंसर्गं भज साधुसमागमम् ।
कुरु पुण्यमहोरात्रं स्मर नित्यमनित्यताम् ॥ १४

---

क) प्रश्ना—११. खलस्य दुर्वृत्तं कुत्र फलति? अत्र उदाहरणं किम्?
१२. सर्पदुर्जनयोर्मध्ये कः वरम्?
१३. सज्जनः केषु जागर्ति? दुर्जनः केषु जागर्ति?
१४. चतुर्दशः श्लोकः किमुपदिशति?

११. खलः *m* wicked
दुर्वृत्तं *n* an evil deed
दशाननः *m* the ten-faced (रावण)
अहरत् *P.* took away
बन्धनं *n* bondage
महोदधिः *m* an ocean
१२. वरं *in* Preferable to
दशति *P.* bites

१३. परोपकारः *m.* doing service to others
परापकारः doing harm to others
जागर्ति *P.* is awake
१४. संसर्गः *m*: } association
समागमः }
अहोरात्रं *n.* day and night
अनित्यता *f* instability

श्लोकार्धेन प्रवक्ष्यामि यदुक्तं ग्रन्थकोटिषु ।
परोपकारः पुण्याय पापाय परपीडनम् ॥ १५

रविश्चन्द्रो घना वृक्षाः नदी गावश्च सज्जनाः ।
एते परोपकाराय भुवि दैवेन निर्मिताः ॥ १६

उद्यमः साहसं धैर्यं बुद्धिः शक्तिः पराक्रमः ।
षडेते यत्र वर्तन्ते तत्र दैवं प्रसीदति ॥ १७

---

क) प्रश्नाः—१५. यत् ग्रन्थकोटिषु उक्तं तत् श्लोकार्धेन कथय ।
१६. के परोपकाराय भुवि दैवेन निर्मिताः ?
१७. कुत्र दैवं प्रसीदति ?

ख) कर्मणि प्रयोगं दर्शयत—

१. यः विद्यामर्थयते स सुखं त्यजेत् ।
२. यो विदुषः सेवते स विद्यां लभते ।
३. या पतिमनुसरति तां मानयन्ति जनाः ।
४. निन्दितं कर्म न सज्जनः करोति ।

ग) Split the words in the slokas.

१५. श्लोकार्धं *m* half a verse
प्रवक्ष्यामि *P.* (I) shall tell
ग्रन्थकोटिषु *f* in crores of [works
१६. घनाः *m* clouds
गावः *f* cows
१७. उद्यमः *m* effort
साहसं *n* bravery
धैर्यं *n* courage
प्रसीदति *P.* is pleased

गच्छन् पिपीलिको याति योजनानां शतान्यपि ।
अगच्छन् वैनतेयोऽपि पदमेकं न गच्छति ॥ १८

उद्योगः खलु कर्तव्यः फलं मार्जारवद्भवेत् ।
जन्मप्रभृति गौर्नास्ति पयः पिबति नित्यशः ॥ १९

एकस्य कर्म संवीक्ष्य करोत्यन्योऽपि गर्हितम् ।
गतानुगतिको लोको न लोकः पारमार्थिकः ॥ २०

---

क) प्रश्नाः—१८. कः योजनानां शतान्यपि याति ? कः पदमेकं न गच्छति ?

१९. कः पयः पिबति नित्यशः ?

२०. लोकः कीदृशः ?

ख) वरम्, नूनम्, यथा—एतैः यथायोगं वाक्यानि पूरयत—

१. मूर्खापेक्षया मृतः पुत्रः— ।

२. —सुखार्थिनो विद्यां न लभन्ते ।

३. —पिता तथा गुरुरपि पूज्यः ॥

१८. पिपीलिकः *m* an ant
योजनं *n* eight miles
वैनतेयः *m* गरुडः
पद *n* step

१९. उद्योग *m* effort [स्येद्व
मार्जारवत् *in* मार्जार-
जन्मप्रभृति *in* from the time of birth
पयः *n* milk
नित्यशः *in* daily

२०. गर्हित *a. n.* a blamable act
गतानुगतिकः *a. m.* doing as others do ; a blind follower
पारमार्थिकः *a. m.* caring for truth

गवादीनां पयोऽन्येद्युः सद्यो वा जायते दधि ।
क्षीरोदधेस्तु नाद्यापि महतां विकृतिः कुतः २१

सम्पदो महतामेव महतामेव चापदः ।
वर्धते क्षीयते चन्द्रो न तु तारागणः क्वचित् ॥ २२

कृषितो नास्ति दुर्भिक्षं जपतो नास्ति पातकम् ।
मौनिनः कलहो नास्ति न भयं चास्ति जाग्रतः ॥ २३

---

क) प्रश्नाः —

२१. 'महतां विकृतिः कुतः' किम् अत्र उदाहरणम् ?

२२. 'सम्पदो महतामेव महतामेव चापदः' कोऽत्र दृष्टान्तः ?

२३. कस्मात् दुर्भिक्षं नास्ति ? कस्य पातकं नास्ति ?
कस्य कलहो नास्ति ? कस्य भयं नास्ति ?

ख) भावे प्रयोग दर्शयत —

१. सत्यं जपति । ३. भयं नास्ति ।
२. ईश्वरः अस्ति । ४. चन्द्रः रात्रौ शोभते ।

२१. गवादि *n* cows and others
दधि *n* curd
अद्यापि *in* even now
विकृतिः *f* deviation from natural state

२२. सम्पत् *f* prosperity
आपत् *f*. adversity

२३. दुर्भिक्षं *n* scarcity of provisions
पातकं *n*. sin
मौनी *a. m.* the silent
जाग्रत् *a. m.* wakeful

धर्मो जयति नाधर्मः सत्यं जयति नानृतम्*।
क्षमा जयति न क्रोधो देवो जयति नासुरः ॥ २४

आकाशात् पतितं तोयं यथा गच्छति सागरम् ।
सर्वदेवनमस्कारः केशवं प्रति गच्छति ॥ २५

---

* story on lesson 29.

---

क) प्रश्नाः—२४. के जयन्ति? के न जयन्ति?
२५. सर्वदेवनमस्कारः कं प्रति गच्छति? कोऽत्र दृष्टान्तः?

ख) विरुद्धपदानि (opposite words)

| | |
|---|---|
| सुभिक्षम् × दुर्भिक्षम् । | निद्राति × जागर्ति । |
| सत्यम् × असत्यम् । | वर्धते × क्षीयते । |
| स्मरति × विस्मरति । | त्यजति × भजति । |
| देवः × असुरः । | संपत् × विपत् । |
| धर्मः × अधर्मः । | उपकारः × अपकारः । |

ग) यथा-तथा, यत्र-तत्र, आभ्यां यथायोगं वाक्यानि पूरयत—
१. — धूमः — अग्निः । २. राजा — प्रजाः ॥

२४. जयति *P.* is victorious | तोयं *n.* water
२५. सागरः *m.* ocean | केशवः *m.* Lord Vishnu.

## C. Selected पर्याय Slokas from अमरकोश ॥

### १. श्री गणेशः-नामानि—८

विनायको विघ्नराज द्वैमातुर गणाधिपाः ।
अप्येकदन्त हेरम्ब लम्बोदर गजाननाः ॥ १

### २. श्री सुब्रह्मण्यः-नामानि—१३

कार्तिकेयो महासेनः शरजन्मा षडाननः ।
पार्वतीनन्दनः स्कन्दः सेनानीरग्निभूर्गुहः ॥ १
बाहुलेयस्तारकजित् विशाखः शिखिवाहनः ।
षाण्मातुरः शक्तिधरः कुमारः क्रौञ्चदारणः ॥ २

### ३. देवाः-नामानि—२६

अमरा निर्जरा देवाः त्रिदशा विबुधाः सुराः ।
सुपर्वाणः सुमनसः त्रिदिवेशा दिवौकसः ॥ १
आदितेया दिविषदः लेखा अदितिनन्दनाः ।
आदित्या ऋभवोऽस्वप्नाः अमर्त्या अमृतान्धसः ॥ २
बर्हिर्मुखाः क्रतुभुजः गीर्वाणा दानवारयः ।
बृन्दारका दैवतानि पुंसि वा देवता स्त्रियाम् ॥ ३

### ४. ब्रह्मा--नामानि--१०

ब्रह्माऽऽत्मभूः सुरज्येष्ठः परमेष्ठी पितामहः ।
हिरण्यगर्भो लोकेशः स्वयंभूश्चतुराननः ॥ १

धाताऽब्जयोनिर्द्रुहिणः विरिञ्चिः कमलासनः ।
स्रष्टा प्रजापतिर्वेधाः विधाता विश्वसृड् विधिः ॥ २

## ५. श्रीमहाविष्णुः-नामानि—३९

विष्णुर्नारायणः कृष्णः वैकुण्ठो विष्टरश्रवाः ।
दामोदरो हृषीकेशः केशवो माधवः स्वभूः ॥ १

दैत्यारिः पुण्डरीकाक्षः गोविन्दो गरुडध्वजः ।
पीताम्बरोऽच्युतः शार्ङ्गी विष्वक्सेनो जनार्दनः ॥ २

उपेन्द्र इन्द्रावरजः चक्रपाणिश्चतुर्भुजः ।
पद्मनाभो मधुरिपुः वासुदेवस्त्रिविक्रमः ॥ ३

देवकीनन्दनः शौरिः श्रीपतिः पुरुषोत्तमः ।
वनमाली बलिध्वंसी कंसारातिरधोक्षजः ।
विश्वंभरः कैटभजित् विधुः श्रीवत्सलाञ्छनः ॥ ४

## ६. श्री शिवः-नामानि—४८

शंभुरीशः पशुपतिः शिवः शूली महेश्वरः ।
ईश्वरः शर्व ईशानः शङ्करश्चन्द्रशेखरः ॥ १

भूतेशः खण्डपरशुः गिरीशो गिरिशो मृडः ।
मृत्युञ्जयः कृत्तिवासाः पिनाकी प्रमथाधिपः ॥ २

उग्रः कपर्दी श्रीकण्ठः शितिकण्ठः कपालभृत् ।
वामदेवो महादेवः विरूपाक्षस्त्रिलोचनः ॥ ३

कृशानुरेताः सर्वज्ञः धूर्जटिर्नीललोहितः ।
हरः स्मरहरो भर्गः त्र्यम्बकस्त्रिपुरान्तकः ॥ ४
गङ्गाधरोऽन्धकरिपुः क्रतुध्वंसी वृषध्वजः ।
व्योमकेशो भवो भीमः स्थाणू रुद्र उमापतिः ॥ ५

## ७. श्री बुद्धदेवः—नामानि—१८

सर्वज्ञः सुगतो बुद्धः धर्मराजस्तथागतः ।
समन्तभद्रो भगवान् मारजिल्लोकजिज्जिनः ॥ १
षडभिज्ञो दशबलोऽद्वयवादी विनायकः ।
मुनीन्द्रः श्रीघनः शास्ता मुनिः शाक्यमुनिस्तु यः ॥ २

## ८. इन्द्रः-नामानि— ३५

इन्द्रो मरुत्वान् मघवा बिडौजाः पाकशासनः ।
वृद्धश्रवाः शुनासीरः पुरुहूतः पुरन्दरः ॥ १
जिष्णुर्लेखर्षभः शक्रः शतमन्युर्दिवस्पतिः ।
सुत्रामा गोत्रभिद्वज्री वासवो वृत्रहा वृषा ॥ २
वास्तोष्पतिः सुरपतिः बलारातिः शचीपतिः ।
जम्भभेदी हरिहयः *स्वाराण्नमुचिसूदनः ॥ ३
संक्रन्दनो दुश्च्यवनः तुराषाण्मेघवाहनः ।
आखण्डलः सहस्राक्षः ऋभुक्षाः सुरनायकः ॥ ४

*स्वाराट्, नमुचिसूदनः—इति पदच्छेदः

## ९. श्री महालक्ष्मीः-नामानि — १४

लक्ष्मीः पद्मालया पद्मा कमला श्रीर्हरिप्रिया ।
इन्दिरा लोकमाता मा क्षीरोदतनया रमा ॥ १

भार्गवी लोकजननी क्षीरसागरकन्यका ॥ २

## १०. श्रीपार्वती-नामानि — १७

उमा कात्यायनी गौरी काली हैमवतीश्वरी ।
शिवा भवानी रुद्राणी शर्वाणी सर्वमङ्गला ॥ १

अपर्णा पार्वती दुर्गा मृडानी चण्डिकाऽम्बिका ॥ २

## ११. कुबेरः १७ नामानि (Lord of Wealth)

कुबेरः त्र्यम्बकसखः यक्षराट् गुह्यकेश्वरः ।
मनुष्यधर्मा धनदः राजराजो धनाधिपः ॥ १

किंनरेशो वैश्रवणः पौलस्त्यो नरवाहनः ।
यक्षैकपिङ्गैलविलश्रीदपुण्यजनेश्वराः ॥ २

1 यक्ष, एकपिङ्ग, ऐलबिल, श्रीद, पुण्यजनेश्वर इति पदच्छेदः ॥

## १२. दिशां नामानि—५ (Directions)

दिशस्तु ककुभः काष्ठा आशाश्च हरितश्च ताः ।
१३ - १४ पूर्वादिदिशां दिक्पालकानां च नामानि ॥

पूर्वाऽऽग्नेयी दक्षिणा च नैर्ऋती पश्चिमा तथा ।
वायवी चोत्तरैशानी दिशश्चाष्टाविमाः स्मृताः ॥ १

इन्द्रो वह्निः पितृपतिः नैर्ऋतो वरुणो मरुत् ।
कुबेर ईशः पतयः पूर्वादीनां दिशां क्रमात् ॥ २

| Sans. | Eng. | God | Sans. | Eng. | God |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. पूर्वा | East | इन्द्र | 5. पश्चिमा | West. | वरुणः |
| 2. आग्नेयी | South East | वह्निः | 6. वायवी | North West | मरुत् |
| 3. दक्षिणा | South | पितृपतिः | 7. उत्तरा | North | कुबेरः |
| 4. नैर्ऋतः | South-West | नैर्ऋतः | 8. ईशानी | North-East | ईशः |

## I. Tables to be studied By - Heart

### 1. 'इदम्' शब्दस्य नामपदैः सह प्रयोगः

| | | | |
|---|---|---|---|
| पुंलिङ्गे | अयं गजः। | इमौ गजौ | इमे गजाः। |
| स्त्रीलिङ्गे | इयं बाला। | इमे बाले। | इमाः बालाः। |
| नपुंसके | इदं फलम्। | इमे फले। | इमानि फलानि। |

### 2. 'तद्' शब्दस्य नामपदैः सह प्रयोगः

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| पुं. | सः | अजः। | तौ अजौ। | | ते | अजाः। |
| स्त्री. | सा | लता। | ते लते। | | ताः | लताः। |
| नपुं. | तत् | पुष्पम्। | ते पुष्पे। | | तानि | पुष्पाणि। |

### 3. 'एतद्' शब्दस्य नामपदैः सह प्रयोगः

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| पुं. | एषः | हंसः। | एतौ हंसौ। | एते हंसाः। |
| स्त्री. | एषा | माला। | एते माले। | एताः मालाः। |
| न. | एतत् | पात्रम्। | एते पात्रे। | एतानि पात्राणि। |

### 4. 'तद्-युष्मद्' शब्दानां क्रियापदैः सह प्रयोगः

| | | |
|---|---|---|
| प्र. पु. सः पाठं पठति। | तौ पाठं पठतः। | ते पाठं पठन्ति। |
| म. पु. त्वं पाठं पठसि। | युवां पाठं पठथः। | यूयं पाठं पठथ। |
| उ.पु. अहं पाठं पठामि। | आवां पाठं पठावः। | वयं पाठं पठामः। |

5. तदीय, मदीय, स्मयमान, वन्द्य, गत, रम्य, निर्मित रुचिर, भीत, तादृश, श्रान्त, कृतविद्य इत्यादयः विशेष्यनिघ्नाः विशेषण शब्दाः i.e. following the Gender, case, and Number of the Nouns, Example—

| | | | |
|---|---|---|---|
| पु. | तदीयः बालः । | तदीयौ बालौ । | तदीयाः बालाः । |
| स्त्री. | तदीया बाला । | तदीये बाले । | तदीयाः बालाः । |
| न. पुं. | तदीयं मित्रं । | तदीये मित्रे । | तदीयानि मित्राणि । |

6. लटि ; लङि ; लृटि ; च धातूनां प्र. पु. एकवचने रूपाणि—

| धातुः | लट् | लङ् | लृट् |
|---|---|---|---|
| 1. भू (भव्) | भवति | अभवत् | भविष्यति |
| 2. पठ् | पठति | अपठत् | पठिष्यति |
| 3 गम् (गच्छ्) | गच्छति | अगच्छत् | गमिष्यति |
| 4. दृश् (पश्य्) | पश्यति | अपश्यत् | द्रक्ष्यति |
| 5. पा (पिब्) | पिबति | अपिबत् | पास्यति |
| 6. स्था (तिष्ठ्) | तिष्ठति | अतिष्ठत् | स्थास्यति |
| 7. कृ | करोति | अकरोत् | करिष्यति |
| 8. लभ् | लभते | अलभत | लप्स्यते |
| 9. वर्त् | वर्तते | अवर्तत | वर्तिष्यते |
| 10. वन्द् | वन्दते | अवन्दत | वन्दिष्यते |

## II Present Participles. 'शतृ-शानच्, प्रत्ययौ'

### i. 'शतृ' प्रत्ययाः (from परस्मैपद roots)

| Pr. Tense. | Pr. Parti. | Pr. Tense. | Pr. Parti. |
|---|---|---|---|
| 1. भवति | भवन् | 5. पिबति | पिबन् |
| 2. तिष्ठति | तिष्ठन् | 6. धावति | धावन् |
| 3. गच्छति | गच्छन् | 7. क्रीडति | क्रीडन् |
| 4. पश्यति | पश्यन् | 8. करोति | कुर्वन् |

### ii. शानच् प्रत्ययाः (from आत्मनेपद, roots)

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. लभते | लभमानः | 4. वर्तते | वर्तमानः |
| 2. वन्दते | वन्दमानः | 5. जायते | जायमानः |
| 8. रभते | रभमाणः | 6. विद्यते | विद्यमानः |

1. Correct the following (शोधयत) giving reasons :—

(क) 1. अयं बाला । 4. ते पात्रम् । 7. इमे लताः ।
2. तौ गजः । 5. इदम् अजः । 8. इमे पात्राणि ।
3. एतत् लता । 6. ताः गजाः । 9. एतानि हंसाः ।

(ख) 1. अहं पाठं पठसि । 5. यूयं बालां पश्यन्ति ।
2. त्वं पाठं पठति । 6. तं हंसं पश्यति ।
3. युवां पाठं पठति । 7. यूयं पुष्पं नयावः ।
4. आवां पाठं पठतः । 8. अहम् अर्थं वदति ।

2. Give the opposite words विपरीतपदानि वदत)—

1. गच्छति । 3. आरोहति 5. पूर्वम् ।

2. नयति । 4. उच्चैः । 6. सह ।

3. Give the grammatical peculiarity—

i. अहं कृष्णेन सह गृहं गत्वा लेखनीं आनयामि ।

ii. भद्र ! त्वं प्रतिदिनं लेखन्या पुस्तकेन च विना पाठालयं [आगच्छसि ।

iii. अलं तव कुतूहलेन ।

4. What are the connected words of :—

1. यदा— । 3. यत्र— । 5. न केवलं— ।

(ग) Translate into English or mother tongue :—

i. 1. बालिकाः पुष्पाय उद्यानम् अगच्छन् ।

2. धनिकानां गृहं याचकाः गच्छन्ति ।

3. गानेन सर्वेषां जनानां सन्तोषः भवति ।

4. वीणायाः मधुरं स्वरं वयम् आकर्णयामः ।

5. कस्मात् नगरात् ते जनाः आगच्छन्ति !

6. वृक्षस्य छायायां मुहूर्तं विश्रम्य अत्र आगच्छ ॥

ii. 1. श्रीरामः विश्वामित्रस्य यागम् अरक्षत् ।

2. मुनिः रामेण लक्ष्मणेन च सह मिथिलाम् अगच्छत् ।

3. मिथिलाधिपतेः सीता नाम एका कन्या आसीत् ।

4. बहवः राजकुमाराः ताम् इच्छन्तः मिथिलापुरीम् आगताः ।
5. तेषाम् एकोऽपि शिवचापं न अनमयत् ।
6. श्रीरामः शिवधनुः नमयित्वा सीतां पर्यणयत् ॥

(ख) Translate into Sanskrit :—

i. 1. by (the) whip, 2. by order, 3. we follow- 4. with two shining wings, 5. from house, 6. from the bunch of flowers, 7. in this School, 8. without her, 9. of (the) cow, 10. to calves. 11. They two) converse. 12. yesterday, 13, the day after to-morow. 14. to-morrow, 15. during day time.

ii. a. Stars shine well at night..
 b. Father told his son a story.
 c. Why did you abuse him ?
 d. This is my book ! That is yours.

iii. a. O boys ! Look here. There is a bee on this bunch of flowers.
 b. We (two) started to bazaar.
 e. Sri Rama, by command of his father. went to the forest with Lakshmana.
 d. Farmers plough fields in the rainy season.

शुभं भूयात् । समस्तसन्मङ्गलानि सन्तु ॥
'जय विजयी भव'

## USEFUL TEXT BOOKS FOR COLLEGE STUDENTS

**Text in Sanskrit with English Translation, Exhaustive Notes, Model Questions etc.**

By T. K. RAMACHANDRA AIYAR, M.A., B.O.L.,

### BOOKS ON SANSKRIT PROSE

| | Rs. | P. |
|---|---|---|
| बालरामायणम् बाल-अयोध्या-आरण्य काण्डाः—Part I<br>A Simple Prose Version of Valmiki Ramayana retaining the idioms of the original | 6 | 00 |
| Do. किष्किन्धा-सुन्दर-युद्धकाण्डाः— Part II | 6 | 00 |
| चन्द्रापीडचरितम्—The Story of Bana Bhatta's Kadambari concisely written in his own words<br>Text only | 2 | 00 |
| Do. with English Translation | 6 | 00 |
| English Translation & Notes on Harsha Charitha Sangraha—Uchvasas 4 & 5 (Without Text) | 4 | 00 |
| A Short History of Sanskrit Literature—Covering the whole range of Vedic, Sutra, Classical Periods, Maha Kavyas, Sastras, Darsanas etc. A Book specially written to satisfy the needs of College Students) | 8 | 00 |
| कुवलयानन्दः—श्रीमदप्पय्यदीक्षित विरचितः (वृत्तिरहितः)<br>A Popular work on Alankara or Figures of Speech in Sanskrit—50 selected Alankaras with the commentary "Samanvaya" in Sanskrit and English | 8 | 00 |

### BOOKS ON SANSKRIT DRAMA

| | | | |
|---|---|---|---|
| दूतवाक्यम् | of Bhasa | 6 | 00 |
| कर्णभारम् | Do | 5 | 00 |
| स्वप्नवासवदत्तम् | Do | 12 | 00 |

DVK Library
*11002953*
T38 S79

## USEFUL TEXT BOOKS FOR

Text in Sanskrit with English
Notes, Model Questions etc.,

By T. K. RAMACHANDRA AIYAR M.A., B.O.L.,

### BOOKS ON SANSKRIT POETRY

| | | |
|---|---|---|
| रघुवंशमहाकाव्यम्— | | |
| (दिलीपस्य वसिष्ठाश्रमगमनं नाम प्रथमः सर्गः) | 5 | 00 |
| Do दिलीपस्य नन्दिनीवरप्रदानं नाम द्वितीयः सर्गः | 5 | 00 |
| Do रघुदिग्विजयो नाम चतुर्थः सर्गः | 4 | 00 |
| Do दण्डकाप्रत्यागमनं नाम त्रयोदशः सर्गः | 5 | 00 |
| नलोपाख्यानम् (श्रीमन्महाभारते वनपर्वणि अध्यायाः) 50—54 | | |
| (Damayanti Svayamvaram) 3rd Edition | 4 | 00 |
| श्रीकृष्णविलासकाव्यम्—सुकुमारकवि विरचितम् 'विलासिनी' | | |
| व्याख्या सहितो भूभारापनोदन प्रार्थना नाम प्रथमः सर्गः | 6 | 00 |
| Do बालक्रीडा वर्णनं नाम तृतीयः सर्गः | 6 | 00 |
| शिशुपालवधे कृष्ण नारद संभाषणं नाम प्रथमः सर्गः | 8 | 00 |
| किरातार्जुनीयम्—व्यवसायदीपनो नाम प्रथमः सर्गः | 5 | 00 |
| कुमारसंभवे उमापरिणयो नाम सप्तमः सर्गः | | 00 |
| श्रीमन्महाभारते आरण्यपर्वणि यक्षप्रश्नः | 5 | 00 |
| Selections from रामायणे—"रामभरत संवादः", श्रीमद्भागवते—"ध्रुवचरितम्", मनुस्मृतौ—"अध्याय ८-श्लोकाः १ to ९३" & नारायणीये—"रुग्मिणीहरणम्" Dasakas 78 & 79. | 6 | 00 |

R. S. VADHYAR & SONS : : PALGHAT-678 003.

SANSKRIT STUDY MADE EASY SERIES NO. 1

# ॥ संस्कृतबालादर्शः ॥

(SAMSKRITA BALADARSA)

# INFANT READER

*Published By*

**R. S. VADHYAR & SONS,**

BOOK-SELLERS & PUBLISHERS,

**KALPATHI : : PALGHAT - 678 003.**

S. INDIA

1981

T38
579

Rs. 2 - 50

Indic Digital Archive Foundation
gpura.org